• जयपुर, शुक्रवार, 2 अगस्त 24 • वर्ष 13 • अंक 335 • पृष्ठ : 8 • मूल्य : 1 रुपये

www.chamaktarajasthan.in| Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

डाक पंजीयन संख्याः RJ/JPC/D19/2024-25

RNI. No. RAJHIND/2011/40950

दैनिक राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त

सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम

चमकता राजस्थान

जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित

विज्ञापन के लिए : 93145 05000

अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, बीकानेर से प्रसारित

सुविचार

''सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।''

● **स्वामी विवेकानंद**

पेज @3 बेसमेंट में भरे पानी में डूबने से युवक सहित तीन की मौत...

पेज @4 ब्रह्माकुमारीज़ टोंक का वृक्ष वंदन कार्यक्रम...

पेज @8 » परिवादों का संवेदनशीलता के साथ करें निस्तारण : जिला कलक्टर...

16वें केंद्रीय वित्त आयोग के साथ बैठक

विषम भौगोलिक परिस्थितियों के अनुरूप राजस्थान को मिले अतिरिक्त सहायता: मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

चमकता राजस्थान

जयपुर, एक अगस्त। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश की विषम भौगोलिक स्थिति, विशाल क्षेत्रफल, मरूस्थलीय भू-भाग, जल संसाधनों की अत्यधिक कमी, अनुसूचित जाति एवं जनजाति की बड़ी आबादी के परिप्रेक्ष्य में वित्त आयोग केन्द्र सरकार से राजस्थान को अतिरिक्त वित्तीय सहायता देने की सिफारिश करें। उन्होंने वित्त आयोग से प्रदेश में भीषण जल संकट को ध्यान रखते हुए विशेष वित्तीय सहायता देने के लिए केन्द्र सरकार को सिफारिश करने का भी आग्रह किया है।

मुख्यमंत्री शर्मा गुरूवार को सचिवालय में 16वें वित्त आयोग के प्रतिनिधिमंडल के साथ आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान विशाल भूभाग और बिखरी हुई आबादी वाला राज्य है, इस कारण यहां शिक्षा, चिकित्सा व स्वास्थ्य, पेयजल, विद्युत, संचार सुविधा आदि बुनियादी सुविधाएं आमजन तक पहुंचाने के लिए दूसरे राज्यों की तुलना में अधिक लागत आती है। उन्होंने कहा कि इस अतिरिक्त लागत और प्रदेश की भौगोलिक परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए प्रदेश को वित्तीय संसाधन मुहैया कराए जाएं।

केन्द्रीय कर आय में राज्य के क्षेत्रफल को मिले विशेष महत्व

मुख्यमंत्री ने वित्त आयोग से केन्द्रीय करों के वितरण के लिए ऐसा फार्मूला विकसित करने का अनुरोध किया, जो कि क्षेत्रीय विषमताओं को दूर करने का साधन बने और समाज के सभी क्षेत्रों और वर्गों के लिए महत्वपूर्ण न्यूनतम बुनियादी ढाँचा प्रदान करने के लिए अधिक संसाधन आवंटित करने में सहायक हो। उन्होंने केन्द्रीय कर आय में राज्यों की हिस्सेदारी को अंतिम रूप देते समय, राज्य के क्षेत्रफल को विशेष महत्व दिये जाने का भी आग्रह किया। उन्होंने वित्त आयोग से सड़क एवं पुल, सिंचाई परिसंपत्तियों और वनों के लिए रखरखाव अनुदानों को फिर से शुरू करने का अनुरोध भी किया।

हीट वेव और रेगिस्तानी टिड्डियों को प्राकृतिक आपदा में शामिल करने की मांग

शर्मा ने कहा कि राज्य को तकरीबन हर वर्ष हीट वेव का सामना करना पड़ता है, जिससे ग्रामीण और शहरी दोनों ही क्षेत्रों के निवासियों की आजीविका प्रभावित होती है। साथ ही, रेगिस्तानी टिड्डियों के कारण फसलों को क्षति पहुंचती है। इसको ध्यान में रखते हुए हीट वेव एवं रेगिस्तानी टिड्डियों के खतरे को प्राकृतिक आपदा माना जाए और इन्हें राष्ट्रीय आपदा मोचन निधि (एनडीआरएफ) में प्राकृतिक आपदा की परिभाषा में शामिल किया जाए।

पानी की कमी पर राज्य को मिले अनुदान

शर्मा ने कहा कि अनियमित व अनिश्चित मानसून प्रदेश की कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था के सामने बड़ी चुनौती है। सीमित एवं निरन्तर घटते हुए जल संसाधनों के कारण राज्य को अत्याधिक कठिनाई का सामना करना पड रहा है। राज्य में सतही जल की कमी के कारण भूजल पर अधिक निर्भरता होने से भूजल का स्तर राज्य के सभी हिस्सों में लगातार गिरता जा रहा है। अतः वित्त आयोग पानी की कमी (वॉटर डेफिसिट) के लिए अनुदान देने पर भी विचार करे।

राज्यों के सुझाव गंभीरता से सुन रहा है आयोग

वित्त आयोग के अध्यक्ष अरविंद पनगडिया ने कहा कि आयोग राज्यों का दौरा कर उनसे सुझाव प्राप्त कर रहा है। हिमाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं पंजाब के बाद आयोग का चौथा दौरा राजस्थान में है। राज्यों से प्राप्त सुझावों को गंभीरता से सुना जा रहा है। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने कहा कि राजस्थान देश का सबसे बड़ा राज्य है। मुख्यतः पश्चिमी क्षेत्र के जिलों में सेवा प्रदायगी के लक्ष्य में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। सीमित संसाधन होने के कारण प्रदेश की केन्द्रीय कोष पर निर्भरता है। अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोड़ा ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से राजस्थान की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति को आयोग के सामने रखा। उन्होंने आयोग से आग्रह किया कि सतत विकास लक्ष्य की रैंकिंग के आधार पर राज्य को वित्तीय सहायता दी जाए।

वित्त आयोग के सदस्य अजय नारायण झा, श्रीमती एनी जॉर्ज मैथ्यू, डॉ. मनोज पाण्डा, डॉ. सौम्य कांति घोष एवं सचिव ऋत्विक पाण्डेय ने प्रदेश के वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा भी की। बैठक में उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, उद्योग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़, उद्योग राज्य मंत्री के.के. विश्नोई, ऊर्जा राज्य मंत्री हीरालाल नागर, पंचायतीराज राज्य मंत्री ओटाराम देवासी सहित विभिन्न विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रमुख शासन सचिव एवं सचिव उपस्थित रहे। इस अवसर पर 'मेमोरेंडम टू 16 फाइनेंस कमिशन' पुस्तिका वित्त आयोग को सौंपी गई। उन्होंने आयोग के सभी सदस्यों को स्मृति चिन्ह स्वरूप भगवान श्री गणेश जी की प्रतिमा भेंट की।

स्थानीय निकायों को अनुदान बढ़ाने की सिफारिश करे वित्त आयोग

मुख्यमंत्री ने कहा कि वित्त आयोग पंचायती राज संस्थानों और शहरी स्थानीय निकायों की नाजुक वित्तीय स्थिति से अच्छी तरह वाकिफ है। उन्होंने वित्त आयोग से अनुरोध किया कि राजस्थान के स्थानीय निकायों के लिए अनुदान बढ़ाने की सिफारिश करें। उप मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री श्रीमती दिया कुमारी ने आयोग से प्रदेश की विषम भौगोलिक परिस्थितियों के दृष्टिगत और प्रदेश की 8 करोड़ जनता की आकांक्षाओं के अनुरूप आयोग को एक मानक दृष्टिकोण (Normative Approach) अपनाने का आग्रह किया। आयोग संसाधनों का इस प्रकार वितरण करे, जिससे विकसित भारत-विकसित राजस्थान के लक्ष्य की प्राप्ति को गति मिले।

न्यूज अपडेट

भारतीय मछुआरे की मौत पर विदेश मंत्रालय ने जताया विरोध, श्रीलंका के उच्चायुक्त को किया तलब

नई दिल्ली/एजेंसी। भारत ने गुरुवार को नई दिल्ली में स्थित श्रीलंका के कार्यवाहक उच्चायुक्त को तलब किया और कच्चातीवु द्वीप में भारतीय मछुआरे की मौत से जुड़ी घटना पर विरोध दर्ज कराया। कच्चातीवु द्वीप से पांच समुद्री मील उत्तर में एक श्रीलंकाई नौसैनिक पोत और एक भारतीय मछली पकड़ने वाली नाव के बीच टक्कर हो गई थी, जिसमें एक भारतीय मछुआरे की मौत हो गई। रिपोर्ट के अनुसार, नाव में सवार चार भारतीय मछुआरों में से एक की मौत हो गई और एक लापता है। दो मछुआरों को बचा लिया गया है और उन्हें कांकेसंथुराई तट पर लाया गया है। लापता भारतीय मछुआरे की तलाश जारी है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि जाफना में भारतीय वाणिज्य दूतावास के अधिकारियों को आदेश दिया गया है कि वे तुरंत कांकेसंथुराई जाएं और मछुआरों तथा उनके परिवारों को हर संभव सहायता प्रदान करें। विदेश मंत्रालय ने कहा, नई दिल्ली में श्रीलंका के कार्यवाहक उच्चायुक्त को आज सुबह विदेश मंत्रालय में बुलाया गया और घटना पर कड़ा विरोध दर्ज कराया गया। हमने जानमाल की दुर्भाग्यपूर्ण क्षति पर अपना दुख जताया है। कोलंबो में हमारे उच्चायुक्त भी श्रीलंका सरकार के सामने इस मामले को उठाएंगे।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत सरकार ने हमेशा मछुआरों से संबंधित मुद्दों को मानवीय और मानवतावादी तरीके से निपटाने की जरूरत पर जोर दिया है। इस संबंध में दोनों सरकारों के बीच मौजूदा सहमति का सख्ती से पालन किया जाना चाहिए। यह सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाने चाहिए कि ऐसी घटना दोबारा न हो या बल प्रयोग का सहारा न लिया जाए। सरकार भारतीय मछुआरों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। भारतीय मछुआरों से संबंधित मुद्दों को श्रीलंकाई नेतृत्व के सामने उच्चतम स्तर पर उठाया जाता रहा है।

मुख्यमंत्री ने ली आपदा प्रबंधन की बैठक

अधिकारी फील्ड में जाकर दें आमजन को राहत: मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

चमकता राजस्थान

जयपुर, 1 अगस्त। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार रात से प्रदेश में हो रही बारिश से उत्पन्न हुई स्थिति के संबंध में अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने कहा कि अधिकारी फील्ड पर जाकर स्थिति का जायजा लें तथा आपदा की स्थिति में आमजन को तुरंत राहत सुनिश्चित करें।

शर्मा गुरूवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आपदा प्रबंधन पर आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पुराने एवं जर्जर भवनों का पूर्व में ही चिन्हीकरण कर लें, जिससे किसी भी प्रकार की क्षति को समय से रोका जा सके। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए चिकित्सा सुविधाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करें, साथ ही पशुधन में होने वाली बीमारियों की रोकथाम के लिए भी उचित व्यवस्था की जाए। उन्होंने कहा कि आपदा नियंत्रण के लिए स्थापित कंट्रोल रूम को चौबीसों घंटे संचालित किया जाए तथा वहां आ रही प्रत्येक शिकायत का शीघ्र समाधान किया जाए।

जल भराव क्षेत्रों में आमजन विशेषकर बच्चों की आवाजाही पर रखें निगरानी

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जल भराव वाले क्षेत्रों का आंकलन कर समुचित इंतजाम सुनिश्चित किए जाएं। इन जगहों पर दुर्घटनाओं से बचने के लिए साइन बोर्ड लगाए जाएं तथा आमजन विशेषकर बच्चों की आवाजाही की लगातार निगरानी की जाए। उन्होंने कहा कि प्रभावित क्षेत्रों में खाद्य सामग्री की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। जिला प्रशासन स्वयंसेवी संस्थाओं, समाज सेवियों तथा भामाशाहों से भी निरंतर संपर्क में रहे ताकि आवश्यकता होने पर इनका सहयोग लिया जा सके। शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मीडिया में आ रही वर्षाजनित हादसों की खबरों पर तुरंत संज्ञान लेते हुए कार्रवाई करें। उन्होंने संबंधित विभागों को प्रभावित क्षेत्रों में धंसी सड़कों, टूटी नालियों के मरम्मतीकरण के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ काम करें ताकि आमजन को शीघ्र सहायता उपलब्ध हो सके। उन्होंने अधिकारियों को बारिश के मौसम में बांधों के जलस्तर की निगरानी, सफाई व्यवस्था, उचित यातायात प्रबंधन, पर्याप्त चिकित्सा सुविधाओं सहित विभिन्न सेवाओं को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

डूबते बेटे को बचाने मां के साथ बहन भी कूदी, तीनों की मौत

इंदौर/एजेंसी। इंदौर से महेश्वर घूमने गए एक ही परिवार के तीन लोगों की मंडाल खोर घाट में स्नान के दौरान नर्मदा में डूबने से मौत हो गई। डूबने वालों में महिला और उसके बेटा-बेटी हैं। स्नान के दौरान 18 वर्षीय बेटा विक्रम नदी में डूबने लगा, जिसे बचाने मां और उसकी बहन भी नदी में उतर गई। तीनों को तैरना नहीं आता था, जिसके कारण तीनों ही नदी में डूब गए। मां और बेटी का शव की तलाश की जा रही है। इंदौर में अरविंदो सांवेर रोड ई-सेक्टर के रहने वाले राजपूत परिवार के पांच लोग महेश्वर घूमने आए हुए थे। बुधवार सुबह करीब 11 बजे सभी महेश्वर पहुंचने के बाद एकांत मंडाल खोर घाट में नर्मदा स्नान कर रहे थे। स्नान के दौरान 18 वर्षीय विक्रम राजपूत डूबने लगा। विक्रम को डूबता देख मां 45 वर्षीय उर्मिला राजपूत और बहन 25 वर्षीय मोहनी हाथ पकड़ कर बचाने की कोशिश करने लगी। बचाने की कोशिश में तीनों गहरे पानी में पहुंच गए, लेकिन तैरना नहीं आने के कारण तीनों की डूबने से मौत हो गई।

हिमाचल में बारिस का कहर, कई लापता, कई की मौत

शिमला/एजेंसी।

हिमाचल प्रदेश में बारिश ने तबाही मचाई हुई है। आनी के निरमंड में दो जगह, कुल्लू के मलाणा, मंडी जिले के थलटूखोड़ व चंबा जिले में बादल फटे हैं। बादल फटने से कई मकान, स्कूल और अस्पताल क्षतिग्रस्त हो गए हैं। तीनों जगह पर करीब 50 लोग लापता हो गए हैं। चार शव बरामद हुए हैं। यहां 35 लोग सुरक्षित बचाए गए हैं। बादल फटने की घटना के बाद मंडी के पधर के सभी स्कूल और शिक्षण संस्थान आज बंद कर दिए गए हैं। डीसी ने आदेश जारी किए हैं।

मंडी के थलटूखोड़ में आधी रात बादल फटने से तबाही मच गई। यहां मकान ढहने की सूचना है। सड×क कनेक्टिविटी भी ठप हो गई है। मौके के लिए एसडीआरएफ समेत अन्य

टीमें रवाना हो गई हैं। थलटूखोड़ पंचायत प्रधान कली राम ने बताया कि तेरंग और राजबन गांव में बादल फटने की घटना हुई है। घटना में कई लोग लापता है। तीन घर बहने की सूचना है। जानकारी मिली है कि पधर उपमंडल के थलटूखोड़ में बादल फटने की घटना में नौ लोग लापता हैं, एक शव बरामद किया गया है। जबकि 35 सुरक्षित हैं। मंडी जिला प्रशासन ने रेस्क्यू के लिए एयरफोर्स को अलर्ट किया है। मदद की जरूरत होने पर सेवाएं ली जाएंगी। एनडीआरएफ को भी मदद का निवेदन किया गया है।

डीसी अपूर्व देवगन और रेस्क्यू टीमें पैदल ही प्रभावित क्षेत्र के लिए जा रही हैं। मौके पर मौजूद स्थानीय प्रशासन राहत कार्यों में जुटे हैं। सड़कें और रास्ते टूटने के कारण घटनास्थल तक पहुंचने में दिक्कत आ रही है।

इसके अलावा, शिमला-कुल्लू सीमा पर बादल फटने से तबाही मची है। कई मकान, स्कूल और अस्पताल क्षतिग्रस्त हो गए हैं।

आसान नहीं है 'विकसित भारत -2047'

भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'विकसित भारत-2047' पर देश में हर जगह चर्चा हो रही है। चचाओं का केंद्र अगले कुछ वर्षों में 7 प्रतिशत सालाना से अधिक औसत आर्थिक वृद्धि दर हासिल करना है। इस समय भारत और चीन की तुलना करना उपयोगी हो सकता है। विश्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक 1991 में दोनों देशों में कृषि में रोजगार का प्रतिशत आसपास ही था। चीन में यह 60 प्रतिशत तथा भारत में 63 प्रतिशत था, किंतु विश्व बैंक के अनुसार करीब 30 साल बाद चीन में यह तेजी से कम होकर 23 प्रतिशत रह गया, जो भारत के 44 प्रतिशत आंकड़े से बहुत कम है। इन 30 साल के भीतर चीन में लगभग 20 करोड़ कृषि श्रमिक उद्योग और सेवा क्षेत्रों में चले गए।

विश्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक भारत में बड़ी संख्या में श्रमिक खेती से बाहर हुए मगर इसी दौरान कृषि में रोजगार पाने वालों की संख्या 3.5 करोड़ बढ़ी। भारत को मौजूदा निम्न-मध्यम आय स्तर से उच्च आय स्तर या उच्च मध्यम आय स्तर तक लाने के लिए जरूरी बदलाव पर भी सबका ध्यान है। यह बदलाव रोजगार के ढांचे में होना है, जिसके तहत कृषि क्षेत्र से जुड़ा रोजगार घटना चाहिए और उद्योग तथा सेवा क्षेत्र का रोजगार उतना ही बढ़ना चाहिए। वैसे भारत 2047 तक विकसित देशों की श्रेणी में शामिल होने की आकांक्षा रखता है और इन देशों की अर्थव्यवस्थाओं में कृषि रोजगार के प्रतिशत की बात करें तो आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (ओईसीडी) देशों में यह लगभग 5 प्रतिशत है जो भारत में कृषि में वर्तमान रोजगार के प्रतिशत का लगभग आठवां हिस्सा है। उच्च-मध्यम आमदनी वाले देशों में भी कृषि में रोजगार की हिस्सेदारी आज भारत की तुलना में केवल आधी है। विकसित देशों की श्रेणी में शामिल कृषि वस्तुओं के प्रमुख निर्यातक जैसे न्यूजीलैंड या ब्राजील में भी कृषि में रोजगार की हिस्सेदारी केवल 6-8 प्रतिशत के भीतर है। अगर भारत को 2047 तक उच्च आमदनी वाले देश का दर्जा हासिल करना है या उच्च-मध्यम आय के स्तर तक पहुंचना है तो उसे कृषि से बड़ी संख्या में श्रमिक उद्योग और सेवा क्षेत्र की ओर भेजने होंगे। इससे भी ज्यादा नाटकीय मामला वियतनाम का है, जहां 1991 में रोजगार में कृषि की हिस्सेदारी 75 प्रतिशत थी मगर 2021 में घटकर 29 फीसदी रह गई। इसका बड़ा कारण यह है कि चीन और वियतनाम में इन वर्षों के दौरान अधिक निर्भरता विनिर्माण में रोजगार सृजन और निर्यात बढ़ाने वाली वृद्धि पर रही है। भारत के मामले में 1991 और 2021 के आंकड़ों की तुलना में एक अहम बिंदु छुप जाता है।

कृषि की हिस्सेदारी में गिरावट, उद्योग व सेवाओं में वृद्धि 1990-91 से 2014-15 के बीच यानी 25 वर्षों दौरान हुई। उसके बाद से विनिर्माण में वृद्धि की कई योजनाएं आने के बाद भी कोई बड़ा बदलाव नहीं देखा गया है। संभवतः कोविड के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों की वापसी की वजह से भी कृषि क्षेत्र से रोजगार स्थानांतरित होने की रफ्तार धीमी रही है।भारत में राज्यों के बीच अंतर पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए। अहम मुद्दा यह है कि हम किस दर पर उद्योग और सेवा क्षेत्र में बेहतर रोजगार सृजन कर सकते हैं ताकि कामकाजी उम्र वाले लोगों की बढ़ती संख्या और कृषि क्षेत्र से आने वाले लोगों को इसमें खप सके। 2047 तक कामकाजी उम्र वाली आबादी (15 से 59 वर्ष) का आधिकारिक पूवार्नुमान लगाएं और मान लें कि काम ढूंढने वालों में करीब 65 प्रतिशत हिस्सेदारी इसी समूह की होगी तो हमारे पास रोजगार ढूंढने वाले करीब 12 करोड़ नए लोग होंगे। इसके अलावा सबसे मुश्किल पूवार्नुमान कृषि क्षेत्र से निकलने वाले श्रम बल के दूसरे क्षेत्रों में स्थानांतरण के मूल्यांकन का स्तर है। अगर हम विकसित या उच्च आमदनी वाला देश बनना चाहते हैं तब कृषि क्षेत्र में रोजगार का हिस्सा कम होकर 10 प्रतिशत के स्तर पर आना चाहिए। इसका मतलब है कि लगभग 15 करोड़ लोगों को कृषि क्षेत्र छोड़ना होगा।

इस तरह उद्योग और सेवा क्षेत्रों में 27 करोड़ से अधिक नए रोजगार पैदा करने की आवश्यकता है ताकि रोजगार ढूंढने वाली आबादी और कृषि क्षेत्र छोड़ने वाली अतिरिक्त आबादी इसमें खप सके। अगले 25 वर्षों में यह तादाद सालाना 1 करोड़ से अधिक नई उद्योग एवं सेवा क्षेत्र की नौकरियां हैं। असली चुनौती यह है कि हमें 2047 तक विकसित भारत बनाने के लिए एक ऐसी योजना चाहिए जो उद्योग और सेवा क्षेत्र में रोजगार के बेहतर मौके तैयार करे, खासतौर से उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, राजस्थान और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में, जहां आज भी औसतन करीब 55 प्रतिशत लोग खेती में रोजगार पाते हैं। अगले 25 साल में देश में जितने भी नए कामगार बढ़ेंगे, उनमें से लगभग 90 प्रतिशत इन पांच राज्यों से होंगे।

दोस्ती है जादुई संवेदनाओं को जगाने का सशक्त माध्यम

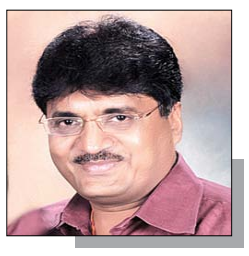

ललित गर्ग

मित्रता हर रिश्ते में प्रेम, विश्वास एवं आत्मीयता का रस घोलती है। दोस्ती एक अनूठा एवं विलक्षण रिश्ता है, जिसमें हम बिना संकोच के अपनी वास्तविकता प्रकट कर देते हैं। यह रिश्ता कर्तव्यों, नियमों एवं बंधनों से मुक्त है। यह रिश्ता हमें स्वतंत्रता देता है, जिससे हम जैसे हैं, वैसे ही रह सकते हैं। इन्हीं विशेषताओं के कारण दुनियाभर में प्रत्येक वर्ष अगस्त माह के प्रथम रविवार को अंतरराष्ट्रीय मैत्री (मित्रता) दिवस मनाया जाता है। इसके पीछे की भावना हर जगह एक ही है- मित्रता एवं दोस्ती का सम्मान। मैत्री का दर्शन बहुत विराट है, स्वस्थ निमित्तों की श्रृंखला में यह सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। बिना किसी आग्रह एवं स्वार्थ के जो मैत्री स्थापित करता है, वह सबके कल्याण का आकांक्षी रहता है, सबके अभ्युदय में स्वयं को देखता है और उसके जीवन में विकास के नये आयाम खुलते रहते हैं। जीवन खूबसूरत प्रतीत होता है। इसमें अपने-पराये का भेद नहीं रहता, न प्रतिस्पर्धा और न छोटे-बड़े की सीमा-रेखा होती है। वास्तव में मित्र उसे ही कहा जाता है, जिसके मन में स्नेह की रसधार हो, स्वार्थ की जगह परमार्थ की भावना हो, ऐसे मित्र सांसों की बांसुरी में सिमटे होते हैं, ऐसे मित्र संसार में बहुत दुर्लभ हैं। श्रीकृष्ण और सुदामा की, विभीषण और श्रीराम की दोस्ती इतिहास की अमूल्य धरोहर हैं।

विश्व मित्रता दिवस मनाते हुए एक प्रश्न उभरता है कि दोस्ती एवं मित्रता की इतनी आदर्श स्थिति एवं महत्ता होते हुए भी आज मनुष्य-मनुष्य के बीच मैत्री भाव का इतना अभाव क्यों है? क्यों है इतना पारस्परिक दुराव? क्यों है वैचारिक वैमनस्य? क्यों मतभेद के साथ जनमता मनभेद? ज्ञानी, विवेकी, समझदार होने के बाद भी आए दिन मनुष्य क्यों लड़ता झगड़ता है। विवादों के बीच उलझा हुआ तनावग्रस्त क्यों खड़ा रहता है। न वह विवेक की आंख से देखता है, न तटस्थता और संतुलन के साथ सुनता है, न सापेक्षता से सोचता और निर्णय लेता है। यही वजह है कि वैयक्तिक रचनात्मकता समाप्त हो रही है। पारिवारिक सहयोगिता और सहभागिता की भावनाएं टूट रही हैं। सामाजिक बिखराव सामने आ रहा है। धार्मिक आस्थाएं कमजोर पड़ने लगी हैं। आदमी स्वकृत धारणाओं को पकड़े हुए शब्दों की कैद में स्वार्थों की जंजीरों की कड़ियां गिनता रह गया है। ऐसे समय में दोस्ती का बंधन रिश्तों में नयी ऊर्जा का संचार करता है। सूरदास ने कहा है कि मित्रता का रिश्ता जीवन का सबसे मधुर रिश्ता होता है, जो जीवन में उत्कृष्टता का द्वार खोलता है।

अंतरराष्ट्रीय मैत्री दिवस की आज ज्यादा प्रासंगिकता है, दक्षिण अमेरिकी देशों से शुरू हुआ यह त्योहार उरुग्वे, अजेर्टीना, ब्राजील में 20 जुलाई को, पराग्वे में 30 जुलाई को, जबकि भारत, मलेशिया, बांग्लादेश आदि दक्षिण एशियाई देशों सहित दुनियाभर के बाकी देशों में यह अगस्त महीने के पहले रविवार को मनाया जाता है। दोस्ती वह रिश्ता है जो आप खुद तय करते हैं, जबकि बाकी सारे रिश्ते आपको बने-बनाये मिलते हैं। जरा सोचिए कि एक दिन अगर आप अपने दोस्तों से नहीं मिलते हैं, तो कितने बेचैन हो जाते हैं और मौका मिलते ही उसकी खैरियत जानने की कोशिश करते हैं। आप समझ सकते हैं कि यह रिश्ता कितना खास है। जोसेफ फोर्ट न्यूटन ने कहा कि ह्ललोग इसलिए अकेले होते हैं क्योंकि वह मित्रता का पुल बनाने की बजाय दुश्मनी की दीवारें खड़ी कर लेते हैं।ह्व हमें दोस्ती के नये मूल्य-मानक गढ़ने हैं, मित्रता को जीवन में सार्थक रूप में स्थापित करना है। मित्रता प्रेम का नहीं बल्कि करुणा का पर्याय होनी चाहिए। क्योंकि प्रेम में स्वार्थ है, राग-द्वेष के संस्कार हैं जबकि करुणा परमार्थ का पर्याय बनती है।

आज जिस तकनीकी युग में हम जी रहे हैं, उसने लोगों को एक-दूसरे से काफी करीब ला दिया है। लेकिन साथ ही साथ इसी तकनीक ने हमसे सुकून का वह समय छीन लिया है जो हम आपस में बांट सकें। आज हमने पूरी दुनिया को तो मुट्ठी में कैद कर लिया है, लेकिन इसके साथ ही हम खुद में इतने मशगूल हो गये हैं कि एक तरह से सारी दुनिया से कट से गये हैं। नयी सभ्यता एवं नयी संस्कृति में ऐसी ही मानवीय संवेदनाओं को नई ऊर्जा देने के लिये अन्तर्राष्ट्रीय फ्रेंडस दिवस मनाया जाना एक सार्थक उपक्रम है। दोस्ती के सुखद रिश्ते के पांच मूलमंत्र है-एक-दूसरे की कमियों और अच्छाइयों को स्वीकार करना। एक-दूसरे की भावनाओं को समझना और सम्मान करना। रिश्ते में हल्कापन और खुशी बनाए रखना। एक-दूसरे के प्रति विश्वास और ईमानदारी रखना। रिश्ते को मजबूत बनाने के लिए समय और ध्यान देना। इन मत्रों को अपनाकर हम एक आदर्श दोस्ती स्थापित कर सकते हैं। क्योंकि दोस्ती ही एक ऐसा रिश्ता है जो वार्तमानिक परिवेश में जबकि मानवीय संवेदनाओं एवं आपसी रिश्तों की जमीं सूखती जा रही है ऐसे समय में एक दूसरे से जुड़े रहकर जीवन को खुशहाल बनाने और दिल में जादुई संवेदनाओं को जगाने का सशक्त माध्यम है। क्षणिक और स्वार्थों पर टिकी मित्रता वास्तव में मित्रता नहीं, केवल एक पहचान मात्र होती है ऐसे मित्र कभी-कभी बड़े खतरनाक भी हो जाते हैं। जिनके लिए एक विचारक ने लिखा है- ह्यह्यपहले हम कहते थे, हे प्रभु! हमें दुश्मनों से बचाना परन्तु अब कहना पड़ता है, हे परमात्मा, हमें दोस्तों से बचाना।ह्ल दुश्मनों से भी ज्यादा खतरनाक होते हैं दोस्त। मित्रता दिवस दोस्ती को अभिशाप नहीं, वरदान बनाने का उपक्रम है। यह दिवस वैयक्तिक स्वार्थों को एक ओर रखकर औरों को सुख बांटने एवं दुःख बटोरने की मनोवृत्ति को विकसित करने का दुर्लभ अवसर प्रदत्त करता है। इस दिवस को मनाने का मूल हार्द यही है कि दोस्ती में विचार-भेद और मत-भेद भले ही हों मगर मन-भेद नहीं होना चाहिए। क्योंकि विचार-भेद क्रांति लाता है जबकि मन-भेद विद्रोह। क्रांति निर्माण की दस्तक है, विद्रोह बरबादी का संकेत।

मित्रता का भाव हमारे आत्म-विकास का सुरक्षा कवच है। आचार्य श्री तुलसी ने इसके लिए सात सूत्रों का निर्देश किया। मित्रता के लिए चाहिए- विश्वास, स्वार्थ-त्याग, अनासक्ति, सहिष्णुता, क्षमा, अभय, समन्वय। यह सप्तपदी साधना जीवन की सार्थकता एवं सफलता की पृष्ठभूमि है। विकास का दिशा-सूचक यंत्र है। दोस्ती का यह दिवस आमंत्रित कर रहा है अपनी ओर, बाहें फैलाये हुए, हमें बिना कुछ सोचे, ठिठके बगैर, भागकर दोस्ती की पगडंडी को पकड़ लेने के लिये। जीवन रंग-बिरंगा है, यह श्वेत है और श्याम भी। दोस्ती की यही सरगम कभी कानों में जीवनराग बनकर घुलती है तो कहीं उठता है संशय का शोर। दोस्ती को मजबूत बनाता है हमारा संकल्प, हमारी जिजीविषा, हमारी संवेदना लेकिन उसके लिये चाहिए समर्पण एवं अपनत्व की गर्माहट। यह जीना सिखाता है, जीवन को रंग-बिरंगी शक्ल देता है। प्रेरणा देता है कि ऐसे जिओ कि खुद के पार चले जाओ। ऐसा कर सके तो हर अहसास, हर कदम और हर लम्हा खूबसूरत होगा और साथ-साथ सुन्दर हो जायेगी जिन्दगी। इसीलिये अमरीकी लेखिका हेलेन केलर ने कहा है कि मैं अकेले उजालें में चलने के बजाय अंधेरे में एक दोस्त के साथ चलना पसंद करूंगी।

हमें तन्हाई का कोई साथी चाहिए, खुशियों का कोई राजदार चाहिए और गलती पर प्यार से डांटने-फटकराने वाला चाहिए। यदि यह सब खूबी किसी एक व्यक्ति में मिले तो निःसन्देह ही वह आपका दोस्त होगा, मित्र होगा। वही दोस्त, जिसके रिश्ते में कोई स्वार्थ या छल-कपट नहीं बल्कि आपके हित, आपके विकास, आपकी खुशियों के लिये जिसमें सदैव एक तड़फ एवं आत्मीयता रहेगी। यों तो भारतीय संस्कृति और इतिहास में त्योहारों की एक समृद्ध परम्परा है, लेकिन अब हमारे देश में अन्तर्राष्ट्रीय दिवसों के प्रति बढ़ते आकर्षण एवं प्रचलन से इसमें इजाफा हुआ है। अब हर दिन कोई-न-कोई पर्व, त्योहार या दिवस होता है। हमने फ्रेण्डशिप दिवस जैसे अनेक नये या आयात किये हुई पर्व एवं दिवसों को हमारी संस्कृति और जीवनशैली का हिस्सा बना लिया है। फ्रेण्डशिप दिवस यानी मित्रता दिवस, सभी गिले-शिकवे भूल दोस्ती के रिश्ते को विश्वास, अपनत्व एवं सौहार्द की डोर से मजबूत करने का दिन।

शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के लिए शिशु को स्तनपान जरूर कराएं

मुकेश कुमार शर्मा

विश्व स्तनपान सप्ताह (01-07 अगस्त) पर विशेष

माँ का पहला पीला गाढ़ा दूध नवजात के लिए अमृत समान होता है। इसलिए नवजात को जन्म के पहले घंटे में स्तनपान जरूर कराएँ। यह संक्रामक बीमारियों से सुरक्षित बनाने के साथ ही शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ बनाता है। निमोनिया, डायरिया व अन्य संक्रामक बीमारियों की जद में आने से बचाने में पूरी तरह से कारगर है। रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में सक्षम माँ के पहले पीले गाढ़े दूध (कोलस्ट्रम) को इसीलिए बच्चे का पहला टीका भी माना जाता है। स्तनपान शिशु का मौलिक अधिकार भी है। स्तनपान के फायदे के बारे में जानना हर महिला के लिए जरूरी है। इसके प्रति जागरूकता के लिए ही हर साल अगस्त माह के पहले हफ्ते को विश्व स्तनपान सप्ताह (01-07 अगस्त) के रूप में मनाया जाता है। इस वर्ष विश्व स्तनपान सप्ताह की थीम- ''अंतर को कम करना, सभी के लिए स्तनपान सहायता'' (क्लोजिंग द गैप : ब्रेस्टफीडिंग सपोर्ट फॉर ऑल) तय की गयी है। शिशु को छह माह तक केवल स्तनपान कराना चाहिए। इस दौरान बाहर की कोई भी चीज नहीं देनी चाहिए, यहाँ तक कि पानी भी नहीं। छह माह तक माँ के दूध के अलावा कुछ भी देने से संक्रमित होने की पूरी संभावना रहती है। अमृत समान माँ के अनमोल दूध में सभी पौष्टिक तत्वों के साथ पानी की मात्रा भी भरपूर होती है। इसीलिए छह माह तक माँ अगर बच्चे को भरपूर स्तनपान कराती है तो ऊपर से पानी देने की कोई आवश्यकता नहीं है। बच्चे की खुशहाली और दूध का बहाव अधिक रखने के लिए जरूरी है कि माँ प्रसन्नचित रहें और तनाव व चिंता को करीब भी न आने दें। इसके अलावा बीमारी की स्थिति में भी माँ बच्चे को पूरी सावधानी के साथ स्तनपान जरूर कराएं क्योंकि यह बच्चे को बीमारी से सुरक्षित बनाता है। माँ को यह भी जानना जरूरी है कि केवल स्तनपान कर रहा शिशु 24 घंटे में छह से आठ बार पेशाब कर रहा है तो यह समझना चाहिए कि उसे भरपूर खुराक मिल रही है। इसके साथ ही स्तनपान के बाद बच्चा कम से कम दो घंटे की नींद ले रहा है और बच्चे का वजन हर माह 500 ग्राम बढ़ रहा है तो किसी तरह की चिंता करने की जरूरत नहीं है क्योंकि यह प्रमाण है कि शिशु को भरपूर मात्रा में माँ का दूध मिल रहा है।

शिशु के लिए स्तनपान के लाभ :

माँ का दूध शिशु के लिए सर्वोत्तम पोषक तत्व होता है। सर्वोच्च मानसिक विकास में सहायक होता है और संक्रमण जैसे- दस्त-निमोनिया आदि से सुरक्षित बनाता है। इसके अलावा दमा व एलर्जी से भी सुरक्षित बनाता है। शिशु को ठंडा होने से बचाता है और प्रौढ़ व वृद्ध होने पर उम्र के साथ होने वाली बीमारियों से भी सुरक्षा प्रदान करता है ।

मां के लिए स्तनपान कराने के फायदे :

नवजात को शीघ्र और नियमित स्तनपान कराने से जन्म के पश्चात रक्तस्राव और एनीमिया से बचाव होता है। इसे एक कारगर गर्भनिरोधक के रूप में भी माना जाता है। मोटापा कम करने और शरीर को सुडौल बनाने में भी यह सहायक होता है। शिशु को स्तनपान कराने से स्तन और अंडाशय के कैंसर से भी बचाव होता है।

बोतल से दूध पिलाने और कृत्रिम आहार के जोखिम :

कृत्रिम आहार या बोतल के दूध में पोषक तत्वों की मात्रा न के बराबर होती है। इसलिए यह बच्चे के पाचन तंत्र को प्रभावित करता है। कुपोषित होने के साथ ही संक्रमण का जोखिम भी बना रहता है। बौद्धिक विकास को भी प्रभावित कर सकता है।

क्या कहते हैं आंकड़े :

छह माह तक लगातार शिशु को केवल स्तनपान कराने से 11 फीसदी दस्त रोग और 15 प्रतिशत निमोनिया के मामले को कम किया जा सकता है। नेशनल फेमिली हेल्थ सर्वे-5 (2020-21) के अनुसार उत्तर प्रदेश में जन्म के एक घंटे के भीतर स्तनपान कराने की दर 23.9 प्रतिशत है। इसी तरह छह माह तक बच्चे को केवल स्तनपान कराने की दर एनएफएचएस-5 के सर्वे में 59.7 फीसद रही जबकि एनएफएचएस-4 के सर्वे में यह 41.6 फीसद थी।

(लेखक पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर हैं, साथ ही ब्रेस्टफीडिंग प्रमोशन नेटवर्क ऑफ इंडिया (बीपीएनआई) के आजीवन सदस्य भी हैं।)

संघ लोक सेवा आयोग पर सवालिया निशान है पूजा खेड़कर प्रकरण !

मनोज कुमार अग्रवाल

विवादों से घिरीं प्रशिक्षु आइएएस पूजा खेड़कर के मामले में अब पूजा के खिलाफ संघ लोक सेवा आयोग ने कार्रवाई की है। आयोग ने पूजा खेड़कर से उनका आईएएस पद छीन लिया है साथ ही उन पर भविष्य की सभी परीक्षाओं के लिए प्रतिबंध लगा दिया है। उक्त जानकारी आयोग ने दी है। यूपीएससी ने इस बात के संकेत पहले ही दे दिए थे। यूपीएससी का कहना था कि अगर पूजा खेडकर पर लगाए गए आरोप सही पाए जाते हैं तो उन पर कार्रवाई की जाएगी।पूजा पर तो कार्रवाई शुरू कर दी गई है लेकिन इस तमाम गड़बड़ी के लिए संघ लोकसेवा आयोग को क्लीन चिट नहीं दी जा सकती है।यह सारा प्रकरण सिस्टम में मौजूद छिद्रों को बेपर्दा करता है। आइए विस्तार से बताते हैं महाराष्ट्र कैडर की आइएएस ट्रेनी पूजा खेडकर का विवाद लम्बे समय से चल रहा है. अब यूपीएससी ने पूजा खेडकर की अस्थायी उम्मीदवारी खत्म कर दी है. पूजा खेडकर के ऊपर एक दो नहीं बल्कि धोखे से इस पद को हासिल करने के कई आरोप लगे हैं।यूपीएससी ने पूजा को नोटिस जारी करके उनका चयन रदद करने को लेकर जवाब मांगा था. यूपीएससी ने कहा था कि पूजा के खिलाफ जांच में पाया गया कि उन्होंने अपना नाम, माता-पिता का नाम, सिग्नेचर, फोटो, ईमेल आइ डी, मोबाइल नंबर और एड्रेस बदलकर यूपीएससी का एग्जाम दिया. दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने पूजा के खिलाफ जालसाजी, धोखाधड़ी, आईटी एक्ट और डिसेबिलिटी एक्ट के तहत केस दर्ज किया था। पूजा खेडकर ने अपनी पर्सनल कार में लाल बत्ती और महाराष्ट्र सरकार लिखवा रखा था. पूजा खेडकर की इसी गलती की वजह से वह सुर्खियों में आईं और जब जांच हुई तो उनके सारे झूठ सामने आ गए. सबसे पहले पुणे के डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर सुहास दिवासे ने पूजा के खिलाफ शिकायत की थी, जिसके बाद उनका ट्रांसफर वाशिम कर दिया गया था.पता चला कि पूजा ने यूपीएससी के कोटे में आने के लिए ओबीसी कैटेगरी का फर्जी सर्टिफिकेट दिखाया था जबकि वह एक क्रीमी लेयर ओबीसी हैं. इसके अनुसार, जिस परिवार की सालाना इनकम 8 लाख से ऊपर होती है उन्हें क्रीमी लेयर ओबीसी की कैटेगरी में रखा जाता है. क्रीमी लेयर ओबीसी के लिए यूपीएससी में कोई कोटा नहीं है. हाल ही में उनके पिता लोकसभा चुनाव में उतरे तो सामने आया कि असल में उनकी इनकम 8 लाख से कहीं ज्यादा है. चुनाव के दौरान दिलीप खेडकर की आय का ब्यौरा किया गया तो पाया कि उनका पूरा परिवार अरबपति है और क्रीमी लेयर ओबीसी में आता है. इसके बाद सामने आया कि पूजा खेडकर नॉर्मल नहीं बल्कि एक क्रीमी लेयर ओबीसी हैं। इस मामले में पता चला है कि केंद्र सरकार ने पुणे पुलिस को आईएएस प्रशिक्षु के माता-पिता - पिता दिलीप और माता पूजा खेडकर ने यूपीएससी में ओबीसी नॉन-क्रीमी लेयर कोटे का गलत इस्तेमाल करते हुए झूठा दावा किया कि उसके माता-पिता अलग हो गए हैं। अपने मॉक इंटरव्यू के दौरान उसने दावा किया कि उसके माता-पिता का तलाक हो गया है और वह अपनी मां के साथ रहती है।पता चला कि यह पूरी तरह सच नहीं था। प्रशिक्षु आईएएस अधिकारी के माता-पिता - दिलीप और मनोरमा खेडकर ने 2009 में पुणे के पारिवारिक न्यायालय में आपसी सहमति से तलाक के लिए अर्जी दी थी। 25 जून, 2010 को तलाक को अंतिम रूप दिया गया। तलाक के बावजूद, दोनों कथित तौर पर पुणे के बानेर इलाके में एक बंगले में साथ रह रहे थे। एक रिपोर्ट के अनुसार, बंगले की मालकिन मनोरमा खेडकर थीं।इसके अलावा, दिलीप खेडकर ने अपने लोकसभा चुनाव हलफनामे में मनोरमा को अपनी पत्नी बताया और उन्हें अविभाजित हिंदू परिवार घोषित किया। दिलीप और मनोरमा के विवाहित जोड़े के रूप में सार्वजनिक कार्यक्रमों में भाग लेने का भी उल्लेख किया गया है।उन्होंने अपनी कुल संपत्ति 40 करोड़ रुपये से अधिक बताई तथा अपने हलफनामे में दंपत्ति की साझा संपत्तियों का भी ब्यौरा दिया। उधर पूजा की मां मनोरमा खेडकर फिलहाल आपराधिक धमकी के आरोप में जेल में बंद हैं। पुणे ग्रामीण पुलिस ने उन्हें 2023 में एक किसान को बंदूक दिखाकर धमकाने के आरोप में गिरफ्तार किया है। दिलीप खेडकर भी इसी मामले में आरोपी हैं। उन्हें पुणे की एक अदालत से 25 जुलाई तक अंतरिम संरक्षण मिला हुआ था । पूजा खेडकर के आइएएस चयनित होने पर जांच हुई तो और झूठ की परतें खुलती गईं. पूजा खेडकर ने सिर्फ ओबीसी ही नहीं, दिव्यांग होने का भी झूठा सर्टिफिकेट यूपीएससी में दिखाया हुआ था. पूजा खेडकर ने यूपीएससी में खुद को मानसिक दिक्कत होने और नजरें कमजोर होने की बात कही थी. इसके अलावा बांये घुटने में लोकोमोटर दिव्यांगता की बात भी कही थी. मानसिक दिक्कत के बारे में उन्होंने बताया कि उन्हें चीजें याद नहीं रहती. यूपीएससी मे ऐसे छात्रों के लिए बाकायदा दिव्यांग कोटा होता है.इसके बाद यूपीएससी ने बाकायदा एम्स में पूजा की जांच कराने का फैसला किया. यूपीएससी सिर्फ सरकारी अस्पतालों की रिपोर्ट को ही मानता है. यूपीएससी इस रिपोर्ट के जरिए इस बात की तस्दीक करना चाहता था कि पूजा को सचमुच मानसिक बीमारी है और उनकी नजरें कमजोर हैं. पूजा के मेडिकल टेस्ट के लिए यूपीएससी ने कुल छह बार एम्स में डॉक्टरों से अप्वाइंटमेंट लिया पर आपको जानकर हैरानी होगी कि पूजा हर बार बहाना बनाकर टेस्ट से बचती रही. जब जांच हुई तो पूजा के मानसिक सर्टिफिकेट को भी फर्जी माना गया। इसी बीच उनकी मां की एक फोटो वायरल होने लगी, जिसमें उनके हाथ में बंदूक थी. पूजा खेडकर की यूपीएससी में 821 रैंक आई. अगर वे सामान्य ओबीसी कैटगरी का सर्टिफिकेट दिखाती और कोई कोटा नहीं होता तो वह आईएएस नहीं बन पातीं. विवादों में घिरीं पूजा खेडकर की ट्रेनिंग 16 जुलाई को रोक दी गई और उन्हें मसूरी स्थित लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासनिक अकादमी वापस बुला लिया गया. हालांकि वे 23 जुलाई की डेडलाइन खत्म होने तक अकादमी नहीं पहुंचीं। मिली जानकारी के अनुसार पूजा खेडकर मामले की जांच के लिए यूपीएससी ने पिछले 15 साल के डेटा की समीक्षा की. इसके बाद सामने आया कि खेडकर का इकलौता केस था जिसमें यह पता नहीं लगाया जा सका कि खेडकर ने कितनी बार यूपीएससी का एग्जाम दिया.क्योंकि उन्होंने हर बार न केवल अपना नाम बल्कि अपने माता-पिता का नाम भी बदल लिया था.अब भविष्य में ऐसा न हो सके. इसके लिए यूपीएससी एसओपी को और मजबूत करने की तैयारी कर रही है।पूजा खेडकर पर आरोप लगाया गया कि प्रशिक्षु आईएएस अधिकारी के रूप में उन सुविधाओं की मांग की, जिनकी वे हकदार नहीं थीं। इसके अलावा उन पर एक वरिष्ठ अधिकारी के चैंबर पर कब्जा करने का भी आरोप है। खेडकर पर अपने पद का बेजां दुरुपयोग करने का भी आरोप है। पूजा की यूपीएससी में गड़बड़ी के मामले में और भी कई खुलासे हुए हैं। सामने आया है कि पूजा ने यूपीएससी के अटेम्प्ट बढ़ाने के लिए न सिर्फ अपने नाम और उम्र में बदलाव किया था। सेंट्रल एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रिब्यूनल में पूजा की तरफ से लगाए गए 2020 और 2023 के दो आवेदनों में पूजा के अलग-अलग नाम हैं।पूजा ने 2020 के आवेदन में अपना नाम ह्यखेडकर पूजा दिलीपरावह्ल और उम्र 30 साल बताई थी। वहीं, 2023 में कैट के आवेदन में उन्होंने अपना नाम ह्यपूजा मनोरमा दिलीप खेडकरह्ल और उम्र 31 साल बताई। सवाल उठाया जा रहा है कि तीन साल के अंतराल में उनकी उम्र एक ही साल कैसे बढ़ सकती है।अब सवाल उठता है कि भारत सरकार की सबसे उच्च स्तरीय भारतीय प्रशासनिक सेवा के लिए अभ्यर्थियों की चयन प्रक्रिया को संघ लोक सेवा आयोग संचालित करता है पूजा खेड़कर के मामले ने आयोग की प्रक्रिया में मौजूद कुछ छिद्रों को सामने लाने का काम किया है सवाल यह है कि जब पूजा ने आयोग की चयन प्रक्रिया की इन तमाम कमजोरियों का दुरुपयोग कर आइएएस पद हासिल कर लिया तो क्या आयोग की कार्यप्रणाली में और भी ऐसी कमजोरी और भ्रष्टाचार के छिद्र होने की संभावना नहीं है जिनका पता नही कितने अभ्यर्थियों ने फायदा उठा कर भारतीय प्रशासनिक सेवा में प्रवेश हासिल कर लिया होगा।संघ लोक सेवा आयोग की चलनी में अब इतने छेद हैं कि अकेली पूजा नहीं कई और पूजा व चंदन होंगे। अब जाँच हो ही रही है तो 2022 एवं 2023 समेत पिछले कुछ सालों में सफल सभी अभ्यर्थियों की छान-बीन की जाए। निश्चित तौर पर पूजा अकेली नहीं होगी ऐसे बहुत सारे अभ्यर्थी मिलेंगे जो फजीर्वाड़ा कर यूपीएससी की खामियों का फायदा उठाकर कलेक्टर व अन्य उच्च पदों पर आसीन होंगे।

पूजा खेड़कर ने देश की सबसे प्रतिष्ठित उच्चस्थ सरकारी सेवा की चयन प्रक्रिया की खामियों का लाभ उठा कर इन्हें उजागर किया है इस से सहज अनुमान लगाया जा सकता है कि इस सिस्टम में जब सबसे प्रतिष्ठित सेवा की चयन प्रक्रिया में इतने छेद हैं तो बाकी सब भी राम भरोसे ही होगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

जयपुर में बारिश ने बरपाया कहकर

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने किया दौरा, पीड़ित परिवार को बँधाया ढाँढस

बेसमेंट में भरे पानी में डूबने से युवक सहित तीन की मौत

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी)। राजधानी जयपुर में भी बुधवार रात तेज बरसात ने कहर बरपाते हुए अपना रौद्र रूप दिखाया इसके चलते जयपुर के विश्वकर्मा इलाके के ध्वज नगर वार्ड नंबर 5 बेसमेंट में भरे पानी में डूबने से युवक सहित तीन की मौत हो गई। डूबने से पहले युवक ने पत्नी और माता-पिता की जान बचाई। करीब 6 घंटे चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद गुरुवार दोपहर 12 बजे तीनों के शवों को बाहर निकाला गया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने ने मृतकों को 5-5 लाख रुपए की सहायता देने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि उन्होने घटना की सूचना मिलते ही त्वरित कार्यवाही करते हुए पीड़ितों को आपदा राहत कोष से 4-4 लाख और मुख्यमंत्री सहायता कोष से 1-1 लाख रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की है। उल्लेखनीय है कि चौमूं एसीपी अशोक चौहान ने घटनाक्रम पर जानकारी देते हुए बताया कि 25 साल पहले बिहार के आरा निवासी अशोक सैनी और बैजनाथ सैनी ने ध्वज नगर में प्लॉट नंबर 94-95 लिया था। यहां पर उन्होंने मकान बनाया था। समय के साथ सड़क बनी। सड़क इतनी बनी की उनका दो मंजिला मकान बेसमेंट बन गया। इस कॉलोनी में सभी घरों की यही स्थित है। बुधवार रात को बारिश आने से अशोक के घर के पीछे वाले मकान में पानी भरा। इससे दीवार टूटी और एकाएक सड़क का पानी पीछे और आगे से उनके घर में घुस गया। इस दौरान अशोक की बेटी पूजा सैनी और दोहिती पूर्वी पुत्री हटवारु सैनी बेसमेंट में सो रही थी। बेसमेंट में पानी भरने से दोनों को बाहर निकलने का मौका नहीं मिला और उनकी मौत हो गई उपमुख्यमंत्री और विद्याधर विधानसभा क्षेत्र से विधायक दिया कुमारी ने वीकेआई इंडस्ट्रियल एरिया में स्थित ध्वज नगर में बिहार के आरा के मूल निवासी 23 वर्षीय कमल शाह, 19 वर्षीय पूजा सैनी और 6 वर्षीय पूर्वी सैनी की वर्षा-जनित हादसे में मौत पर गहरा दुख जताया है। गुरुवार तड़के घटना की सूचना मिलते ही दिया कुमारी ने नगर निगम की टीमों को पंप और मशीनों के साथ घटनास्थल पर भिजवाया और पानी की निकासी के साथ-साथ बचाव व राहत कार्य शुरू करने के निर्देश दिये। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी के सख्त निर्देशों के बाद जिला प्रशासन के अधिकारी मौके पर पंहुचे। उपमुख्यमंत्री घटनास्थल पर पहुंची जय जलियां अधिकारियों को निर्देश दिएदिया कुमारी ने कांवटिया अस्पताल पहुँच कर पीड़ित परिवार से मुलाकात की और उन्हें ढांढस बंधाया और उसके बाद घटनास्थल पर पहुँच कर जायजा लिया। उन्होंने कहा कि विद्याधर नगर में जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान के लिए उन्होने प्रयास शुरु कर दिये है। नगर निगम के पास पानी के पंपों की कमी को भी पूरा किया जायेगा, जिससे प्रत्येक विधानसभा में कम से कम एक पंप उपलब्ध हो सके। उन्होने कहा कि राज्य सरकार संवेदनशीलता के साथ वीकेआई इंडस्ट्रियल एरिया में रहने वाले लोगों के पुनर्वास के लिए योजना बना कर काम किया जायेगा।

जिला कलक्टर ने किया जलभराव प्रभावित इलाकों का दौरा

- जयपुर में भारी बारिश के चलते कई इलाके जल भराव से हुए प्रभावित
- जिला कलक्टर प्रकाश राजपुरोहित स्वयं कर रहे मॉनिटरिंग
- जल भराव की स्थिति में स्थानीय नियंत्रण कक्ष में किया जा सकता है संपर्क

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी)। भारी बारिश के चलते गुरुवार को जयपुर के कई इलाकों में जलभराव की स्थिति पैदा हो गई। जिला कलक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने अल सुबह से ही जलभराव से प्रभावित इलाकों का दौरा कर मौके का निरीक्षण किया। राजपुरोहित ने विश्वकर्मा औद्योगिक क्षेत्र, मानसरोवर एवं जयपुर एयरपोर्ट जा कर जलभराव की स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान जिला कलक्टर ने मौके पर ही अधिकारियों को निर्देशित कर राहत एवं बचाव के कार्य शुरू करवाए। जिला कलक्टर ने आमजन से बारिश के दौरान सतर्क एवं सुरक्षित रहने की अपील की है। उन्होंने कहा कि आगामी दिनों में जिले में भारी बारिश होने की संभावना है ऐसे में निचले इलाकों एवं जर्जर भवनों में निवास कर रहे नागरिकों से जिला प्रशासन सुरक्षित स्थान पर जाने की अपील करता है। राजपुरोहित ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा मानसून सीजन के दौरान किसी भी प्रकार की आपदा से निपटने के लिए जिला स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष के साथ साथ स्थानीय बाढ़ नियंत्रण कक्षों की भी स्थापना की गई है। बाढ़ एवं जलभराव की स्थिति में आमजन किसी भी समय बाढ़ नियंत्रण कक्षों पर संपर्क कर मौके पर त्वरित राहत प्राप्त कर सकते हैं।उल्लेखनीय है कि बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए जिला स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष स्थापित है जहां दूरभाष नंबर-0141-2204475, 0141-2204476 पर संपर्क किया जा सकता है।

बाढ़ एवं जलभराव की स्थिति में स्थानीय बाढ़ नियंत्रण कक्षों पर भी किया जा सकता है संपर्क

जिला कलक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने बताया कि आमजन जयपुर नगर निगम द्वारा अग्निशमन केंद्रों पर संचालित घाटगेट बाढ़ नियंत्रण कक्ष मोबाइल नंबर-8279179063, आमेर बाढ़ नियंत्रण कक्ष मोबाइल नंबर-8279179060, वीकेआई बाढ़ नियंत्रण कक्ष मोबाइल नंबर-8764880070, मालवीय नगर बाढ़ नियंत्रण कक्ष मोबाइल नंबर-8764880030, मानसरोवर बाढ़ नियंत्रण कक्ष मोबाइल नंबर-8764880060 एवं बनीपार्क बाढ़ नियंत्रण कक्ष (कांवटिया चिकित्सालय के पीछे) मोबाइल नंबर- 8279179150 पर संपर्क किया जा सकते हैं। साथ ही, आमजन जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा बनीपार्क में संचालित बाढ़ नियंत्रण कक्ष दूरभाष नंबर- 0141-2203518 पर सपंर्क कर सकते हैं। स्वेज फार्म सामुदायिक केन्द्र पर स्थापित बाढ़ नियंत्रण कक्ष का समन्वयक अधिकारी अधिशाषी अभियंता केसी गुप्ता मोबाइल नंबर-9928699991, सामुदायिक केन्द्र दांतली पर स्थापित बाढ़ नियंत्रण कक्ष का समन्वयक अधिकारी अधिशाषी अभियंता इरशाद अहमद मोबाइल नंबर-8764231092 एवं वैशाली नगर सामुदायिक केन्द्र पर स्थापित बाढ़ नियंत्रण कक्ष का समन्वयक अधिकारी अधिशाषी अभियंता तरुण सिंघल 8769383749 नियुक्त किया गया है।

न्यूट अपडेट

राशन डीलरों की हड़ताल आज से, नहीं मिलेगा एक करोड़ परिवारों को राशन

चमकता राजस्थान, धौलपुर (रामदास तरुण)। प्रदेश में गुरुवार से करीब एक करोड़ परिवारों को राशन का गेहूं नहीं मिलेगा! इसका कारण राशन डीलरों की हड़ताल होना है। हड़ताल का ऐलान राजस्थान राज्य राशन विक्रेता संघर्ष समिति ने किया है! प्रदेश के 26800 राशन डीलर्स ने अपनी मांगों को लेकर आंदोलन चला रखा है। इसके तहत उन्होंने पोस मशीन भी जमा करवा दी सीमित के आहान पर प्रदेश के राशन डीलर्स ने 1 अगस्त 24 से आंदोलन का एलान किया है! वे हर महीने मानदेय देने समेत डोर टू डोर बुजुर्ग और दिव्यांग उपभोक्ताओं को घरों तक राशन पहुंचाने वाले आदेशों को हटाने सहित कई दूसरी मांग कर रहे हैं! संघर्ष समिति के पदाधिकारी ने बताया इनके अलावा भी उनकी कई मांग है! ऐसे में उनकी मांगों को अनदेखा किया गया और अब वह आंदोलन के तौर पर गुरुवार से अपनी दुकान बंद रख इसका विरोध करेंगे! संघर्ष समिति के पदाधिकारी ने बताया कि अभी उन्हें 1 किलो गेहूं पर 90 पैसे कमीशन मिलता है! सरकार से वे मांग कर रहे हैं! कि उन्हें हर महीने 30000 रुपए मानदेय दिया जाए।

यह है प्रमुख मांगें

राशन डीलर का हर माह 30000 मानदेय गेहूं जो एफसीआई से आने वाले गेहूं की दो फीसदी छीजत को रिकॉर्ड में ले। लंबे समय राशन विक्रेता का कमीशन जल्द ही उनके खाते में ट्रांसफर किया जाए।

अटल भूजल योजना अंतर्गत एक दिवसीय ब्लॉक स्तरीय क्षमतावर्धन प्रशिक्षण आयोजित

चमकता राजस्थान, धौलपुर (रामदास तरुण)। जिला धौलपुर के सैपऊ उपखण्ड में आज अटल भूजल योजना धौलपुर एवं सिंचाई प्रबंधन एवं प्रशिक्षण संस्थान कोटा के संयुक्त तत्वाधान में पंचायत समिति सैंपऊ में आयोजित किया गया जिसमे रामकीशोर गोस्वामी कृषि विशेषज्ञ अटल भूजल योजना धौलपुर द्वारा परियोजना के बारे में विस्तारपूर्वक बताया तथा ग्राम पंचायत स्तर पर जल सुरक्षा योजना पर चर्चा की गई तथा जन भागीदारी से जल बचत के साथ साथ कृषि की आधुनिक विधि जैसे फव्वारा, ड्रिप और फसल चक्र के बारे में विस्तारपूर्वक चर्चा की। सिंचाई प्रबंधन एवं प्रशिक्षण संस्थान कोटा के हंसराज मीना उपनिदेशक आई एम टी आई कोटा के द्वारा कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की! आईईसी विशेषज्ञ कल्याण सिंह द्वारा आईईसी गतिविधियों के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। अधिशाषी अभियंता पीसी गुप्ता द्वारा सभी को धन्यवाद देकर कार्यक्रम समापन किया गया।

केशवराय जी के मंदिर में हुआ धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन

चमकता राजस्थान / उदयपुरवाटी, (सुमेर सिंह राव)। कस्बे के वार्ड नंबर 24 में स्थित राजाधिराज केशव राय जी महाराज के मंदिर में गुरुवार को महिलाओं द्वारा धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मंदिर के मुख्य पुजारी राजेंद्र प्रसाद पाराशर एवं कृष्ण पराशर ने जानकारी देते हुए बताया कि सैकड़ो महिलाओं द्वारा सावन के महीने में लड्डू गोपाल को झूले में झुलाया गया।

सभी सरकारी संस्थानों में संविधान की प्रस्तावना का चित्र लगाया जाना अनिवार्य हों : सांसद

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी)। सांसद नीरज डांगी ने राज्य सभा में विशेष उल्लेख के जरिये सभी सरकारी संस्थानों के परिसरों में भारत के संविधान की प्रस्तावना का चित्र अनिवार्य रूप से लगाये जाने हेतु केन्द्र सरकार से उचित दिशा-निर्देश जारी करने की मांग की। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने सभी सरकारी कार्यालयों, सार्वजनिक संस्थानों और अदालतों में महात्मा गांधी के सम्मान के प्रतीक के रूप में उनका चित्र लगाया जाना अनिवार्य किया हुआ है। नीरज डाँगी ने बताया कि सामाजिक न्याय, समानता और भारत के संविधान में उनके योगदान के मध्येनजर सभी सरकारी संस्थानों को डॉ. अम्बेडकर का चित्र लगाने का निर्देश दिया गया है। यह आदेश सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों और 2013 से 2019 तक की विभिन्न सरकारी अधिसूचनाओं, परिपत्रों पर आधारित है। इन चित्रों को अनिवार्य रूप से लगाना भारत की स्वतंत्रता, सामाजिक न्याय और संवैधानिक मूल्यों में उनके योगदान की याद दिलाता है।सांसद ने संविधान की प्रस्तावना की महत्ता पर विस्तृत चर्चा करते हुए बताया कि वर्ष 2019 में सुप्रीम कोर्ट ने सभी स्कूलों एवं शैक्षणिक संस्थानों को अपने परिसर में भारतीय संविधान की प्रस्तावना का चित्र लगाने का निर्देश दिया था। प्रस्तावना को इस तरह प्रदर्शित करना संविधान और भारत के शासन ढांचे के अभिन्न अंग के रूप में इसके महत्व को स्वीकार करता है। सभी स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों की तरह, सभी सरकारी संस्थानों को भी राष्ट्रीय एकता, मूल्यों और संवैधानिक जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देते हुए प्रस्तावना को प्रमुखता से प्रदर्शित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी सरकारी संस्थानों में भारत के संविधान की प्रस्तावना का प्रदर्शन जहां एक ओर राष्ट्रीय एकता, संप्रभुता, समाजवाद, धर्मनिरपेक्षता और लोकतंत्र के प्रति प्रतिबद्धता दर्शाता है वहीं इसमें निहित सिद्धांत लोक सेवकों के लिए एक अनुस्मारक के रूप में कार्य कर रहा है। डांगी ने भारत सरकार से आग्रह किया है कि सभी सरकारी संस्थानों के परिसरों में भारत के संविधान की प्रस्तावना के चित्र को अनिवार्य रूप से लगाये जाने के लिए उचित दिशा-निर्देश तत्काल जारी करें।

अध्यापक दंपत्ति के रिटायर्डमेंट पर हुआ धन्यवाद समारोह

चमकता राजस्थान, धौलपुर (रामदास तरुण)। राजकीय सिनियर माध्यमिक विद्यालय बाड़ी में व्याख्याता पद पर कार्यरत राकेश कनौआं और उनकी धर्मपत्नी वरिष्ठ अध्यापिका अनसुईया शर्मा की राजकीय सेवा से निवृत्ति पर प्रिंसिपल हरिओम सिंह सिकरवार एवं समस्त स्टाफ द्वारा विदाई समारोह आयोजित किया! विद्यालय में विदाई समारोह के दूसरे दिन सेवानिवृत दंपत्ति ने धन्यवाद समारोह में सामूहिक भोज के बाद सभी का आभार जताया इस मौके पर रिटायर्ड व्याख्याता नानक राम विधौलिया, रिटायर्ड व्याख्याता नत्थी लाल पहाड़िया समेत अन्य गणमान्यों ने सेवानिवृत राकेश शर्मा और अनसुईया शर्मा का माला साफा एवं शॉल भेंट उनके सुखद भविष्य की कामना की।

धात्री एवं गर्वभवती महिलाओं को स्तनपान के बारे में किया जागरूक

चमकता राजस्थान, जयपुर (खलील कुरैशी)। जयपुर प्रथम। 01 अगस्त। विश्व स्तनपान सप्ताह 01 अगस्त से 07 अगस्त तक आयोजित किया जा रहा है, जिसमे चिकित्सा संस्थानों मे जागरूकता गतिविधियों का आयोजन कर स्तनपान के विषय मे जागरूक किया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर प्रथम डॉ. रवि शेखावत ने बताया कि स्तनपान सप्ताह के अंतर्गत गुरूवार को मनाए जा रहे रूटीन इम्युनाईजेशन दिवस पर आयुष्मान आरोग्य मन्दिर आरोग्य परमं धनम यू.पी.एच.सी., पीएचसी व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों मे टीकाकरण के लिए आई सभी धात्री एवं गर्वभवती महिलाओं को स्तनपान के बारे में बताया गया। उन्होंने बताया कि आयुष्मान आरोग्य मन्दिर आरोग्य परमं धनम यू.पी.एच.सी., पीएचसी और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों मे पहुंची समस्त धात्री एवं गर्वभवती महिलाओं को चिकित्सा स्टाफ द्वारा स्तनपान के महत्त्व के बारे मे बताया गया। उन्हे शिशु को जन्म के एक घंटे के भीतर स्तनपान कराने और छ माह तक केवल स्तनपान कराने साथ ही कम से कम दो वर्ष की उम्र तक शिशु को स्तनपान कराने की सलाह दी गई।

जेडीए सभागार में आयोजित हुई भूमि एवं सम्पत्ति निस्तारण समिति की बैठक

चमकता राजस्थान, जयपुर (खलील कुरैशी)। जयपुर विकास आयुक्त मंजू राजपाल की अध्यक्षता में भूमि एवं संपत्ति निस्तारण समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में ग्राम धर्मपुरा तहसील कालवाड़ में सेटेलाईट अस्पताल हेतु 10 हजार वर्गमीटर भूमि के आवंटन हेतु प्रस्ताव राज्य सरकार को भिजवाये जाने का निर्णय लिया गया। बैठक में बीसलपुर, पीआरएन पेयजल परियोजना फेज-1, स्टेज प्रथम एवं फेज-II के अन्तर्गत उच्च जलाशय निर्माण हेतु निःशुल्क 1000 वर्गगज भूमि का आवंटन करने का निर्णय लिया गया।

जिला कलेक्टर ने किया गंगधार उपखंड का दौरा

चमकता राजस्थान, चौमहला/झालावाड़। झालावाड़ जिला कलेक्टर ने आज गंगधार उपखंड, डग व दुधालिया का दौरा कर औचक निरीक्षण किया, जिला कलेक्टर अजय राठौड़ ने मीडिया से रूबरू होकर अपने दौरे के बारे में जानकारी देते हुवे बताया कि डग पंचायत समिति का निरीक्षण किया जंहा जन सुनवाई के दौरान 125 एप्लिकेशनस मिली जिसमे चारागाह अतिक्रमण, भूमि विवाद व प्रधानमंत्री आवास योजना सहित अन्य मामले को लेकर शिकायते मिली, इनसभी के बारे में सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित किया व कई मामलों का मौके पर ही निस्तारण किया, इसके बाद दुधालिया जाकर व्रक्षारोपन कार्य का श्री गणेश किया ,इसके पश्चात क्षेत्र में बरसात के मौसम में कोई हादसा न हो इसके बारे में भी क्षेत्र की भौगोलिक जानकारी ली ,इसके बाद गंगधार उपखंड का निरीक्षण किया गया, इसदौरान चौमहला के व्यापार महा संघ के प्रतिनिधि मंडल ने कस्बे की ज्वलन्त समस्या रेलवे फाटक पर पिछले सात माह से धीमी गति से चल रहे निर्माण कार्य के बारे में ज्ञापन सोप कर नागरिको को होने वाली समस्याओं के अवगत कराया जिसपर ,जिला कलेक्टर ने ,कोटा रेल मंडल के प्रबंधक से तुरंत मोबाइल पर बात कर नागरिको की समस्या के बारे में बात की है ,जिसपर डी आर एम में 15 अगस्त तक समस्या हल कर अंडर पास चालू करने के बारे में आश्वासन दिया है। मौके पर व्यापार महा संघ संयोजक दिलीप जैन, किराना इलेक्ट्रॉनिक व्यापार संघ अध्यक्ष पवन पिछोलिया, अध्यक्ष किशोर गुप्ता, राजेश तिवारी, प्रमोद मोदी सहित संघ के अन्य सदस्य व पत्रकार रमेश मोदी, आबिद हुसैन अमित अग्रवाल सुरेश सिंह मुकेश शर्मा उपस्थित रहे।

प्रेमचंद ने अपने साहित्य के माध्यम से समाज के दबे कुचले वंचित वर्ग की आवाज उठाई : आफरीदी

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी)। संपर्क साहित्य संस्थान के तत्वावधान में हिन्दी साहित्य के अमर साहित्यकार प्रेमचंद की 144 वी जयंती का इटरनल हॉस्पिटल सभागार में समारोह पूर्वक आयोजन किया गया । वरिष्ठ साहित्यकार एवं व्यंग्यकार फारूक आफरीदी की अध्यक्षता और सुप्रसिद्ध उपन्यासकार प्रबोध कुमार गोविल के मुख्य आतिथ्य में प्रेमचंद की मशहूर कहानियों की समीक्षा के साथ डॉ. नीलम कालरा के काव्य संग्रह 'शब्दों का आशिया'के लोकार्पण किया गया। समारोह के अध्यक्ष फारूक आफरीदी ने कहा कि प्रेमचंद ने अपने साहित्य के माध्यम से समाज के दबे कुचले वंचित वर्ग की आवाज उठाई। उन्होने कथा साहित्य के जरिये समाज एवं साहित्य को दिशा नई देने और हमारे जीवन को परिष्कृत करने का काम किया । उनका साहित्य और विचार सदैव प्रासंगिक रहेगा। उन्होने विश्व साहित्य में हिन्दी साहित्य को प्रतिष्ठा दिलाई।

डॉ. प्रबोध गोविल ने बताया कि प्रेमचंद का जीवन बहुत संघर्षमय रहा और उन्होंने जो कुछ जीवन में देखा, अनुभव किया उसी को अपने साहित्य के माध्यम से समाज के समक्ष रखा। विशिष्ट अतिथि तिर्त्रत्विक गौड़ ने प्रेमचंद के साहित्य की प्रशंसा करते हुए बताया कि बच्चों को इससे जोड़ा जाना चाहिए ताकि वे संवेदनशील बन सकें। 'कथा-समीक्षा के आईने में प्रेमचंद' के तहत डॉ. अंजू सक्सेना ने सज्जनता का दंड, सुनीता त्रिपाठी ने पंच परमेश्वर, हिमाद्री समर्थ ने बड़े घर की बेटी व डॉ. मंजू लता ने मंत्र के साथ ही पुष्पा माथुर ने बड़े भाई साहब, सुशीला शर्मा ने पूस की रात, सरोज चौहान ने दो बहने और शिल्पी पचौरी, ज्ञानवती सक्सेना ने अन्य कहनियों की समीक्षा की प्रारम्भ में वरिष्ठ साहित्यकार प्रबोध गोविल विशिष्ट अतिथि साहित्यकार फारूक आफरीदी एवं कार्यक्रम अध्यक्ष ज्ञान विहार स्कूल के प्रधानाचार्य ऋत्विज गौड़ संस्थान अध्यक्ष अनिल लढ़ा महासचिव रेनू शब्दमुखर ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारम्भ किया।सरस्वती वंदना डॉ मंजुलता भट्ट ने की।संपर्क साहित्य संस्थान के अध्यक्ष अनिल लढ़ा ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए संपर्क संस्थान के कार्यों का ब्यौरा दिया। इटर्नल हॉस्पिटल के डॉ. अखिल गुप्ता द्वारा स्वास्थ्य संबधी परिचर्चा में मधुमेह से जुड़ी अनेक भ्रांतियों को दूर किया गया। महासचिव रेनू शब्दमुखर ने संस्थान के साहित्यिक कार्यो की जानकारी दी। संस्था की वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ आरती भदौरिया ने 'बूढ़ी काकी' कहानी का उदाहरण देते हुए वृद्ध विमर्श की ओर ध्यान आकर्षित किया। उपाध्यक्ष डॉ रेखा गुप्ता और उपाध्यक्ष डॉ कंचना सक्सेना ने भी प्रेमचंद के उपन्यास साहित्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रेमचंद ने हिंदी कथा साहित्य को विश्व मंच पर प्रतिष्ठित किया है। सीमा वालिया ने कार्यक्रम का संयोजन किया ।

संक्षिप्त खबरें

वीकेआई एरिया में हुये हादसे के बाद वहां के आस-पास के रहवासियों की सुरक्षा के लिये नगर निगम ग्रेटर ने कि वैकल्पिक व्यवस्था

चमकता राजस्थान। जयपुर!(खलील कुरैशी), 01 अगस्त। गुरूवार को हुई भारी बारिश के बीच वीकेआई एरिया में बेसमेंट में हुये हादसे के बाद नगर निगम ग्रेटर द्वारा उस क्षेत्राधिकार में रहने वाले निवासियों की सुरक्षा व्यवस्था के लिये वहां के निवासियों को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय आंकेडा डूंगर में ठहराने के लिये व्यवस्था की गई। इसके लिये 4 सदस्यीय टीम का गठन किया गया है। यह टीम 3 पारियों में कार्य करेगी।मुरलीपुरा जोन उपायुक्त रेखा मीणा ने रहवासियों को समझाईश की कि भारी बारिश को देखते हुए कोई भी जनहानि ना हो इसके लिये आंकेडा डूगर स्थित स्कूल में रहने, खाने पीने की व्यवस्था की गई है।

जेडीए ने टोंक रोड़ पर जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट के रनवे – 08 के क्रैश गेट के सामने डिवाईडर हटाने की दी अनापत्ति

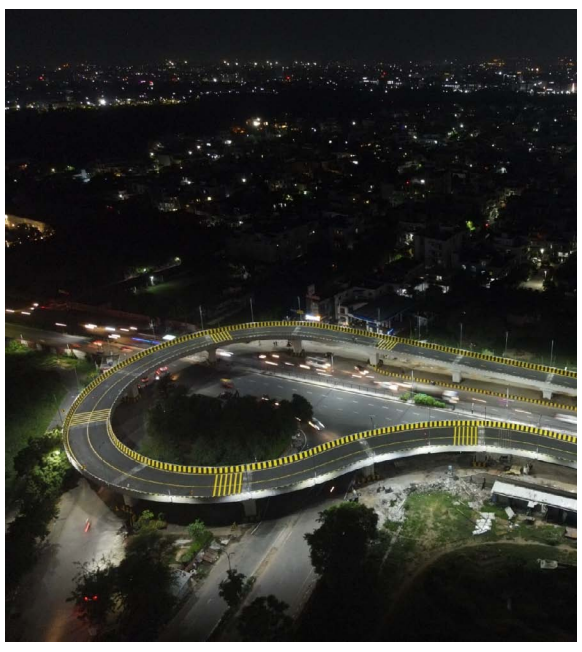

चमकता राजस्थान। जयपुर!(खलील कुरैशी) 01 अगस्त। जयपुर विकास आयुक्त मंजू राजपाल की अध्यक्षता में जेडीए अधिकारियों एवं जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड के प्रतिनिधि की बैठक आयोजित हुई। बैठक में विस्तृत विचार-विमर्श के उपरान्त टोंक रोड़ पर रनवे 08 के कैश गेट के सामने पहुँच मार्ग हेतु डिवाईडर हटाने की अनापत्ति जारी करने का निर्णय लिया गया।इस अनापत्ति के सम्बन्ध में लेख है कि टोंक रोड़ पर रनवे 08 के क्रैश गेट के सामने डिवाईडर हटाने, चैनल गेट लगाने डिवाइडर कट के सम्पूर्ण संधारण जैसे सूचनात्मक एवं सुरक्षा सम्बन्धी बोर्ड लगाना, यातायात व्यवस्था इत्यादि कार्य जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा। इन शर्तों के मद्देनजर जेडीए द्वारा अनापत्ति जारी की गई है।

पुरानी बसों को स्क्रैप करने की प्रक्रिया शुरू

कोलकाता। कोलकाता और आसपास के इलाकों में कल पुरानी बसों को स्क्रैप करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। दरअसल, एक अगस्त 2009 को दिए गए कलकत्ता हाईकोर्ट के फैसले के अनुसार आगामी सितंबर-अक्टूबर से शहरों-उपनगरों में उन सभी बसों को हटाया जाएगा जिनकी उम्र 15 साल हो गई है। निजी बस मालिकों के संगठन ज्वाइंट काउंसिल ऑफ बस सिंडिकेट के सचिव तपन बनर्जी ने कहा कि पिछले छह साल से बस किराया नहीं बढ़ा है जबकि पेट्रोल-डीजल के दाम दोगुने हो गए हैं। मालिक बैंकों से कर्ज लेकर नई बसें खरीदने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं। इसके फलस्वरूप सड़क पर बसें कम चलेंगी। केएमडीए क्षेत्र में लगभग 3500 निजी बसें चलती हैं। कोर्ट के प्रतिबंध के कारण शहर पर उसका बड़ा प्रभाव पड़ा है। इस मामले में सबसे ज्यादा असर कोलकाता-हावड़ा रूट पर पड़ा है। वहीं, हाबरा, बशीरहाट, अशोकनगर, बारासात, बैरकपुर, दक्षिण 24 परगना आमतला, काकद्वीप, डायमंड हार्बर और कोलकाता-बजबज मार्गों पर अधिकांश बसें अब सड़कों पर नहीं चलेंगी। सचिवालय सूत्रों के मुताबिक, बस मालिकों ने इस स्थिति को देखते हुए पहले ही मुख्यमंत्री और परिवहन मंत्री को पत्र लिखा था जिसमें इन बसों को अगले दो साल तक चलाने की अनुमति मांगी गई लेकिन कोई लाभ नहीं हुआ। परिवहन विभाग के सूत्रों के मुताबिक, कोर्ट के फैसले के बाद 15 साल की उम्र पार कर चुकी बसों को सड़कों पर चलने की इजाजत नहीं है। नियम तोड़ने पर गाड़ी जब्त कर ली जाएगी। वैकल्पिक तरीकों पर विचार किया जा रहा है।

बिहार में आकाशीय बिजली गिरने से 13 लोगों की मौत

मृतकों में औरंगाबाद जिले की तीन महिलाएं और एक पुरुष शामिल हैं

एजेंसी

पटना। बिहार में बरसात के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से 13 लोगों की मौत हो गई। औरंगाबाद में चार ,जहानाबाद में तीन, सारण में तीन, नालंदा में दो और जमुई में एक व्यक्ति की मौत हुई है।

मृतकों में औरंगाबाद जिले की तीन महिलाएं और एक पुरुष शामिल हैं। साथ ही जिले के कुछ लोग गंभीर रूप से भी घायल हुए हैं। उनका इलाज चल रहा है। मृतकों की पहचान बारूण थाना क्षेत्र के छक्कन बिगहा गांव निवासी राम अवतार सिंह की पत्नी सोनहल देवी (60), रेड़िया गांव निवासी विनय पाल की पत्नी जैतरी देवी, मदनपुर थाना क्षेत्र के पिरवां गांव निवासी राजगीर महतों के पुत्र महेश प्रसाद (40) तथा टंडवा थाना क्षेत्र के खजूरी महेश गांव निवासी रामदहीन पासवान की पत्नी इंद्रावती देवी (55) के रूप में हुई है।

जहानाबाद के टेहटा थाना क्षेत्र के सरेन गांव में बारिश के साथ आसमानी आफत कहर बनकर टूटी। आकाशीय बिजली की चपेट में आने से तीन किशोरों की मौत हो गई। मृतकों में 12 वर्षीय गोपाल मांझी, 14 साल का पवन कुमार, 15 साल का चंदन दास शामिल है। बताया गया है कि तीनों बुधवार शाम पांच बजे गांव से दूर खेत में गए थे, अचानक तेज बारिश होने लगी जिससे बचने के लिए सभी बच्चे पेड़ के नीचे चले गए। तभी अचानक बिजली गिर गई, जिसमें तीनों झुलस गए। यह देखकर घर-परिवार में कोहराम मच गया। आसपास के लोग दौड़ पड़े। आनन-फानन में ग्रामीणों ने तीनों को रेफरल अस्पताल मखदुमपुर लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सक ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। सारण जिले के मांझी प्रखंड क्षेत्र के नरवन गांव में बुधवार शाम आकाशीय बिजली के गिरने से एक पशुपालक की मौत हो गई। बताया गया है कि नरवन गांव के निवासी व पशुपालक ललन यादव (48 वर्ष) अपने गांव के चंवर में मवेशी चरा रहे थे। इस दौरान बारिश शुरू हुई और आकाशीय बिजली गिरने से ललन यादव उसकी चपेट में आ गए। नगरा प्रखंड क्षेत्र के रामपुर कला गांव के पास वज्रपात की चपेट में आकर 16 वर्षीय मिथलेश राय की भी मौत हो गई। इसी जिले के गड़खा थाना क्षेत्र के कसीना गांव में 14 वर्षीय अंकित कुमार की आकाशीय बिजली की चपेट में आने से मौत हो गई। इस घटना में तीन अन्य झुलस गए।

साल 2025 में बनेगी जन सुराज की सरकार : प्रशांत

एजेंसी

पटना। जन सुराज परिवार का कुनबा रोज तेजी से बढ़ता जा रहा है। इसके संस्थापक प्रशांत किशोर ने गुरुवार को यहां कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में सभी राजनीतिक दलों को धूल चटाकर जन सुराज अपने बूते सरकार बनाएगी। 2025 में बिहार में जन सुराज की सरकार होगी। प्रशांत किशोर ने यह दावा किया है कि अगली बार बिहार विधानसभा जन सुराजियों से भरा होगा। बिहार के लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जब हम चुनाव लड़ाएंगे तो हारने नहीं देंगे। जन सुराज अकेले सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ेगा और बिहार में अपनी सरकार बनाएगा। प्रशांत किशोर ने कहा कि पार्टी का नेता कौन होगा, यह भी लोग तय करेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि जन सुराज प्रशांत किशोर या किसी जाति या किसी परिवार या व्यक्ति का नहीं, बल्कि बिहार के लोगों का दल होगा, जो इसे मिलकर बनाएंगें। उन्होनें कहा कि जन सुराज रोजगार की गारंटी देगा और इसमें कहीं कोई शक मत रखिए, एक साल से ज्यादा नहीं लगेगा। उन्होंने बिहार की जनता को आश्वस्त करते हुए कहा कि जन सुराज पर भरोसा रखिए और अपना साथ दीजिए।

सार्वजनिक निर्माण विभाग प्रमुख शासन सचिव प्रवीण गुप्ता ने दिए स्टेट हाईवे पर फास्टेग से टोल वसूली के निर्देश

चमकता राजस्थान समाचार पत्र में छपी थी स्टेट हाईवे पर टोल नाकों में अनियमितता की ख़बर

चमकता राजस्थान

जयपुर। राजस्थान में स्टेट हाईवे के टोल नाकों पर चल रही भारी अनियमितता की सूचना के बाद अब सार्वजनिक निर्माण विभाग प्रमुख शासन सचिव प्रवीण गुप्ता ने स्टेट हाईवे पर स्थित टोल प्लाज़ा पर भी फास्टेग से टोल वसूलने की प्लानिंग के निर्देश दिए हैं प्रवीण गुप्ता ने बताया कि आरएसआरडीसी राज्यभर में 105 टोल प्लाज़ा संचालित करती है इनमें 70 टोल प्लाज़ा पर अब फास्टेग से टोल कलेक्शन का काम किया जा रहा है अन्य टोल प्लाज़ा पर मशीनरी लगाने कलेक्शन को बैंक से जोड़ने का काम तेज़ी से किया जा रहा है, तीन टोल नाकों पर आरएसआरडीसी टोल कलेक्शन बंद कर चुकी है,उन्होंने कहा कि सभी 105 टोल बूथ पर जल्दी केवल फास्टेग के ज़रिये टोल वसूला जाएगा उन्होंने कहा कि सभी टोल प्लाज़ा पर फास्टेग से टोल कलेक्शन,ओवरलोड गाड़ियों की लाइव तुलाई और घंटे सीसीटीवी सर्विलांस को ज़रूरी करने के प्रावधान पर विचार किया जा रहा है, इसे संपूर्ण व्यवस्था में पारदर्शिता आएगी ,गुप्ता ने कहा कि किसी भी मार्ग पर गाड़ियों की गणना संबंधित ठेकों को भी अब केवल प्रतिष्ठित कंपनियों को ही दिया जा सकेगा।

220 रुपए चुराने के आरोप में युवक की पिटाई, बचाने गए पिता की हत्या

एजेंसी

पश्चिम बर्दवान। पश्चिम बर्दवान जिले में कुल्टी थाने के नियामतपुर पुलिस चौकी अंतर्गत लछीपुर इलाके में बुधवार शाम महज 220 रुपए चुराने के आरोप में एक युवक की इलाके के कुछ अन्य युवकों ने सामूहिक पिटाई कर डाली। आरोप है कि जब युवक के पिता अपने बेटे को बचाने पहुंचे तो उनपर भी लोगों ने शाबल से हमला कर दिया। चोट के कारण युवक के पिता की मौत हो गई। स्थानीय सूत्रों के अनुसार मृतक की पहचान कृष्णा गोस्वामी (48) के रूप में हुई है। मृतक के परिजनों ने इलाके के पांच युवकों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस घटना की जांच में जुट गई है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, आसनसोल में कुल्टी थानांतर्गत लछीपुर इलाके में कृष्णा गोस्वामी अपने परिवार के साथ रहते थे। आरोप है कि बुधवार की सुबह से इलाके में घूम रहे बदमाशों ने कृष्णा गोस्वामी के छोटे बेटे पर ?220 चुराने का आरोप लगाया और उसे ढूंढने लगे।

आरोप है कि इलाके के रहने वाले रैना, बुलू, सुभाष, बृंदा और उत्तम नाम के पांच युवक कृष्णा गोस्वामी के बेटे की तलाश कर रहे थे। शाम युवक उसे ढूंढते हुए उसके घर आये। जैसे ही युवक उनकी पकड़ में आया, उन्होंने उसकी पिटाई शुरू कर दी। शोर सुनकर कृष्णा गोस्वामी की पत्नी और परिवार के अन्य सदस्य पहुंचे। कुछ पड़ोसी भी आ गए। आरोपित युवक को पीटते पीटते खींच कर अपने साथ ले जाने लगे। उनके हाथों में लोहे की रॉडें थीं। कृष्णा गोस्वामी अपने बेटे को बचाने के लिए बीच में कूद पड़े। उन्होंने अपने बेटे को पीट रहे युवक को रोकने की कोशिश की। तभी उन युवकों ने कृष्णा गोस्वामी पर शाबल से प्रहार कर दिया। शाबल लगने से कृष्णा सड़क पर गिरकर बेहोश हो गए। यह देख आरोपित वहां से भाग गए। लहूलुहान अवस्था में जब कृष्णा गोस्वामी को आसनसोल जिला अस्पताल लाया गया तो डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पीड़ित परिवार ने आरोपितों के खिलाफ थाने में लिखित शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस मामले की जांच में जुटी थी। खबर लिखे जाने तक इस मामले में किसी की गिरफ्तारी की सूचना नहीं थी।

संभागीय आयुक्त ने की ग्राम रतनपुर में जनसुनवाई : सांवरमल वर्मा

चमकता राजस्थान

धौलपुर(रामदास तरुण)। माह के प्रत्येक प्रथम गुरुवार को होने वाली ग्राम पंचायत स्तरीय जनसुनवाई सैंपऊ पंचायत समिति के ग्राम रतनपुर /कैंथरी में संभागीय आयुक्त की अध्यक्षता में संपन्न हुई। संभागीय आयुक्त ने कहा कि परिवादियों द्वारा दर्ज किए गए परिवादों का प्रशासन एवं संबंधित अधिकारी संवेदनशीलता के साथ निस्तारण करें। परिवादी राहुल ने बताया कि ग्राम पंचायत कैंथरी में पीडब्ल्यूडी की स्वीकृत सड़कों पर कार्य में प्रगती नहीं हो रही है, जिस पर संभागीय आयुक्त ने उपखण्ड अधिकारी को अधिशाषी अभियन्ता पीडब्ल्यूडी से वस्तुस्थिति रिपोर्ट लेकर आवशयक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया। परिवादी जगन्नाथ प्रसाद ने बताया कि खौरपुरा में नव निर्मित नाली अवरूद्ध है! एवं नाली पर अतिक्रमण किया हुआ है! जिस पर उन्होंने उपखण्ड अधिकारी सैंपऊ को विकास अधिकारी के माध्यम से मामले की जांच करा आवशयक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया। वहीं ग्राम पंचायत कैंथरी के निवासीयों ने बताया कि स्वास्थ्य केन्द्र कैंथरी पर बेड उपलब्ध नहीं हैं! जिस पर संभागीय आयुक्त ने मुख्य स्वास्थ्य एवं चिकित्सा अधिकारी को आवशयक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया। परिवादी रघुराज ने बताया कि उसने अपने विच्छेदित विद्युत कनेक्शन की बकाया राशि किस्तों में चुकाने हेतु कार्यवाही शुरू की है! इस पर संभागीय आयुक्त ने विद्युत विभाग को कनेक्शन शुरू करने के निर्देश देते हुए मामले का मौके पर ही निस्तारण किया गया। अगले क्रम में संभागीय आयुक्त पंचायत समिति बसेड़ी की ग्राम पंचायत रतनपुर में जनसुनवाई हेतु पहुंचे। जनसुनवाई के दौरान परिवादी अशोक ने मनरेगा के तहत रोजगार दिलाये जाने हेतु प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत किया!जिस पर संभागीय आयुक्त ने मौके पर ही जॉब कार्ड बनवाकर परिवादी को सुपुर्द किया। परिवादी पुष्पा ने बताया कि उन्हें विगत वर्ष से पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत मिलने वाली राशि प्राप्त नहीं हो रही है! जिस पर उन्होंने उपखण्ड अधिकारी बसेड़ी को प्रकरण की जांच कराकर परिवादी को राहत पहुचायें जाने हेतु निर्देशित किया। परिवादी नत्थी सिंह परमार ने बताया कि पार्वती बांध की मुख्य नहर से ग्राम मंशापुरा से नगला रायजीत की पुलिया तक नहर के दोनों ओर सीपेज होने के कारण फसल खराब होती है! जिस पर उन्होंने अधीक्षण अभियन्ता जल संसाधन विभाग को प्रकरण की जांच कर त्वरित कार्यवाही हेतु निर्देशित किया। उन्होंने सभी अधिकारियों को परिवादों के समाधान हेतु दिये गये निर्देशों पर पालना रिपोर्ट भेजने हेतु पाबंद किया तथा परिवादियों को उनकी समस्या पर हुई विभागीय कार्यवाही का लिखित जवाब देने के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद सुदर्शन सिंह तौमर, उपखंड अधिकारी दिनेश शर्मा, एसीईओ शीशराम यादव, विकास अधिकारी पंचायत समिति बसेडी बाबूलाल मीणा, CDPO रत्नेश यादव, EN, PWD नवीन आनंद कुमार, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जयंती लाल मीणा, डीडीआईसीडीएस भूपेश गर्ग बंटी परमार सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

ब्रह्माकुमारीज़ टोंक का वृक्ष वंदन कार्यक्रम

पर्यावरण को बचाना हम सबकी नैतिक जिम्मेदारी : बीके अपर्णा दीदी

चमकता राजस्थान

- शुद्ध पर्यावरण के लिए अपने जीवन से ज्यादा पेड़-पोधो की देखभाल जरूरी : बीके ऋतु दीदी

जयपुर। ब्रह्माकुमारीज़ टोंक के सदस्यों द्वारा डाइट रोड पर स्थित महिला आईटीआई कॉलेज के आसपास ग्रामीण महिलाओं के साथ मिलकर पौधारोपण किया । पौधारोपण का महत्व बताते हुए ब्रह्माकुमारीज़ टोंक सेवा केंद्र प्रभारी ब्रह्माकुमारी अपर्णा दीदी ने कहा पर्यावरण और मानव जीवन का अटूट संबंध है। हमारी भारतीय संस्कृति में वृक्षों का पूजन किया जाता है, हमारे पूर्वजों ने इस परंपरा को कायम रखा है, उनके द्वारा लगाए गए वृक्षों का लाभ आज हमें मिल रहा है। ये जो आस-पास हरियाली दिख रही हैं यह उसी का परिणाम है। अब हमारा दायित्व है की हमारे आगे आने वाली पीढ़ी के लिए हम स्वच्छ वातावरण तैयार करे। इस कर्तव्य को पूरा करने का दायित्व प्रत्येक व्यक्ति का है। पर्यावरण को बचाना हम सबकी नैतिक जिम्मेदारी है।

मौके पर उपस्थित राजयोग शिक्षिका ब्रह्माकुमारी ऋतु दीदी ने कहा वृक्ष हमारे जीवन के अनमोल रत्न हैं। शुद्ध पर्यावरण के लिए हमें अपने जीवन से ज्यादा इसकी देखभाल करने की जरूरत है, क्योंकि पेड़-पौधों के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। धरा को हरा-भरा करने एवं जीवन को बचाने के लिए सबको पौधारोपण का संकल्प लेने की जरूरत है। वहीं उन्होंने कहा कि पेड़झपौधे प्रकृति की अनुपम धरोहर है। हम सब को अधिक से अधिक पौधे लगाकर प्रकृति का श्रृंगार करना है।

इस मौके पर बीके पांचू भाई, बीके रामलाल भाई एवं संस्थान से जुड़े सदस्य मौजूद थे।

महिला ने एसआई पर लगाया ब्लाउज फाड़ने का आरोप

एजेंसी

पूर्वी चंपारण। जिले में एक महिला ने एसआई पर साड़ी खोलने और ब्लाउज फाड़ने का गंभीर आरोप लगाया है। वहीं, एसआई ने ग्रामीणों पर मारपीट और वर्दी फाड़ने का आरोप लगाया है। मामला जिले के रघुनाथपुर थाना क्षेत्र के दलित बस्ती की है। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि बुधवार की रात रघुनाथपुर दलित बस्ती में एक ही समुदाय के दो पक्ष के बीच विवाद हो रहा था। इसकी सूचना पर मौके पर जब पुलिस पहुंची और मामले को शांत कराने की कोशिश कर रही थी।

इसी बीच कलदेव मांझी सहित अन्य ने पुलिस पर हमला कर दिया। इसमें वहां मौजूद एसआई मनोज सिंह की वर्दी फट गई। वहीं, जब इस घटना की जानकारी थाने की अन्य पुलिस को मिली तो सभी पुलिसकर्मी दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। वहां, से एसआई मनोज सिंह को ग्रामीणों से बचा कर थाना लाया। साथ ही पुलिस ने एसआई पर हमला करने और वर्दी फाड़ने के आरोप में 2 लोगों को हिरासत में लिया। इसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है।वहीं, दूसरी तरफ कलदेव मांझी की पत्नी ने कहा कि एसआई आने के साथ ही मारपीट करने लगे। मेरा साड़ी खोलने लगे और ब्लाउज फाड़ दिए।

नी ऑस्टियोआर्थराइटिस के लक्षण महिलाओं में ज्यादा गंभीर!

एक शोध में यह बात सामने आई है कि किसी व्यक्ति के नी कैप का बिगड़ता आकार ऑस्टियोआर्थराइटिस बीमारी का संकेत हो सकता है। ऑस्ट्रेलियन नेशनल यूनिवर्सिटी (एएनयू) के शोधकर्ताओं ने महिलाओं और पुरुषों के नी कैप आकार के अंतर को लेकर एक अध्ययन किया। पाया कि पुरुषों के मुकाबले महिलाओं में नी ऑस्टियोआर्थराइटिस के लक्षण ज्यादा गंभीर होते हैं। टीम ने स्वस्थ व्यक्तियों और घुटने की रिप्लेसमेंट सर्जरी का इंतजार कर रहे मरीजों के घुटनों का विश्लेषण करने के लिए सीटी स्कैन का उपयोग किया। उन्होंने घुटनों के 3डी मॉडल बनाने और सतहों के आकार को मापने के लिए उन्नत छवि विश्लेषण तकनीकों का उपयोग किया।

शोध में लैंगिक आधार पर घुटने की सतह के आकार में कोई स्पष्ट अंतर नहीं पाया गया, लेकिन यह जरूर पता चला कि ऑस्टियोआर्थराइटिस पीड़ितों के नीकैप सतह का आकार भिन्न था। एएनयू की एसोसिएट प्रोफेसर लॉरा विल्सन के नेतृत्व वाली टीम ने ये भी बताया कि रोग की गंभीरता बढ़ने के साथ ये अंतर और अधिक स्पष्ट होने लगे। उन्होंने निष्कर्षों की अप्रत्याशित प्रकृति पर ध्यान दिया, जिसमें बताया गया कि ऑस्टियोआर्थराइटिस जैसे-जैसे बढ़ता है वैसे-वैसे नीकैप बदलाव अन्य जोड़ों की सतह पर अलग-अलग देखने को मिलता है। अध्ययन ऑस्टियोआर्थराइटिस और कार्टिलेज पत्रिका में प्रकाशित हुआ है। शोधकर्ता अब यह जांचने पर विचार कर रहे हैं कि क्या ये आकार में अंतर बीमारी के शुरुआती दौर में दिखने शुरू हो जाते हैं। यदि इन परिवर्तनों की प्रारंभिक शुरुआत की पुष्टि की जा सके, तो घुटने की आकृति को संभावित रूप से रोग निवारण मॉडल में एकीकृत किया जा सकता है, जिससे घुटने के ऑस्टियोआर्थराइटिस के उच्च जोखिम वाले व्यक्तियों की प्रारंभिक पहचान में सहायता मिलेगी।

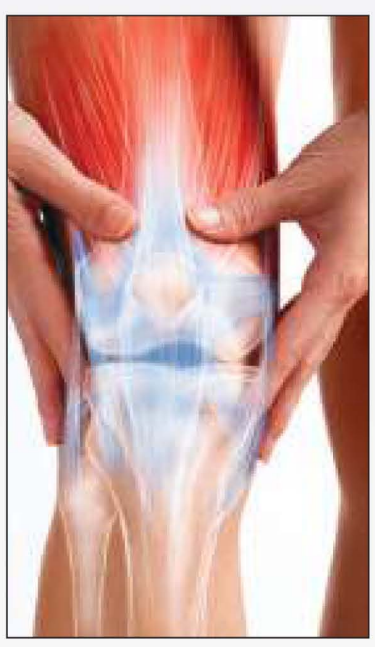

ऑटिज़्म क्या है, ऑटिज़्म के प्रकार, ऑटिज़्म के लक्षण

ऑटिज़्म को मेडिकल भाषा में ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम डिसॉर्डर कहते हैं। यह एक विकास संबंधी गड़बड़ी है जिससे पीड़ित व्यक्ति को बातचीत करने में, पढ़ने-लिखने में और समाज में मेलजोल बनाने में परेशानियां आती हैं। ऑटिज़्म एक ऐसी स्थिति है जिससे पीड़ित व्यक्ति का दिमाग अन्य लोगों के दिमाग की तुलना में अलग तरीके से काम करता है। वहीं, ऑटिज़्म से पीड़ित लोग भी एक-दूसरे से अलग होते हैं। यानि कि आटिज्म के अलग-अलग मरीजों को अलग-अलग लक्षण महसूस हो सकते हैं। हालांकि इस बीमारी के बारे में अभी तक बहुत ज्यादा जानकारी उपलब्ध नहीं है और न ही वर्तमान में इसका कोई कम्प्लीट इलाज है। वैसे तो इस बीमारी से पीड़ित लोग नौकरी करने, परिवार और दोस्तों के साथ मेल-मिलाप करने में सक्षम होते हैं, लेकिन कई बार उन्हें इसके लिए दूसरों की मदद लेनी पड़ती है। जहां कुछ ऑटिस्टिक लोगों को पढ़ने-लिखने में परेशानी होती है तो वहीं ऑटिज्म के कुछ मरीज या तो पढ़ने लिखने में बहुत तेज होते हैं या सामान्य होते हैं। परिवार, टीचर्स या दोस्तों के सहयोग से ये लोग नई स्किल्स सीखने में भी सक्षम होते हैं और बिना किसी सहारे के काम कर पाते हैं। कुछ स्टडीज़ में ऐसा देखा गया है कि डायग्नोसिस और इंटरवेंशन ट्रीटमेंट सर्विसेज़ की जल्द मदद से ऑटिस्टिक लोगों को सामाजिक व्यवहार और नयी स्किल्स सीखने में मदद मिलती है जिससे, वे अपना जीवन बेहतर तरीके से जी पाते हैं।

ऑटिज़्म से प्रभावित बच्चों में लक्षण

- दूसरे बच्चों से घुलने-मिलने से बचना
- अकेले रहना
- खेल-कूद में हिस्सा ना लेना या रूचि ना दिखाना
- किसी एक जगह पर घंटों अकेले या चुपचाप बैठना, किसी एक ही वस्तु पर ध्यान देना या कोई एक ही काम को बार-बार करना
- दूसरों से सम्पर्क ना करना
- अलग तरीके से बात करना जैसे प्यास लगने पर मुझे पानी पीना है' कहने की बजाय क्या तुम पानी पीओगे' कहना
- बातचीत के दौरान दूसरे व्यक्ति के हर शब्द को दोहराना
- सनकी व्यवहार करना
- किसी भी एक काम या सामान के साथ पूरी तरह व्यस्त रहना
- खुद को चोट लगाना या नुकसान पहुंचाने के प्रयास करना
- गुस्सैल, बदहवास, बेचैन, अशांत और तोड़-फोड़ मचाने जैसा व्यवहार करना
- किसी काम को लगातार करते रहना जैसे, झूमना या ताली बजाना
- एक ही वाक्य लगातार दोहराते रहना
- दूसरे व्यक्तियों की भावनाओं को ना समझ पाना
- दूसरों की पसंद-नापसंद को ना समझ पाना
- किसी विशेष प्रकार की आवाज़, स्वाद और गंध के प्रति अजीब प्रतिक्रिया देना
- पुरानी स्किल्स को भूल जाना

ऑटिज़्म के प्रकार

ऑटिज़्म के तीन प्रकार निम्न हैं- 1.ऑटिस्टिक डिसॉर्डर (क्लासिक ऑटिज़्म)- यह ऑटिज़्म का सबसे आम प्रकार है। जो लोग ऑटिज्म के इस डिसऑडर से प्रभावित होते हैं उन्हें सामाजिक व्यवहार में और अन्य लोगों से बातचीत करने में मुश्किलें होती हैं। साथ ही असामान्य चीज़ों में रूचि होना, असामान्य व्यवहार करना, बोतले समय अटकना, हकलाना या रूक-रूक कर बोलने जैसी आदतें भी ऑटिस्टिक डिसॉर्डर के लक्षण हो सकते हैं। वहीं, कुछ मामलों में बौद्धिक क्षमता में कमी भी देखी जाती है। 2.अस्पेर्गर सिंड्रोम- इस सिंड्रोम को ऑटिस्टिक डिसऑडर का सबसे हल्का रूप माना जाता है। इस सिंड्रोम से पीड़ित व्यक्ति कभी कभार अपने व्यवहार से भले ही अजीब लग सकते हैं लेकिन, कुछ खास विषयों में इनकी रूचि बहुत अधिक हो सकती है। हालांकि इन लोगों में मानसिक या सामाजिक व्यवहार से जुड़ी कोई समस्या नहीं होती है। 3.पर्वेसिव डेवलपमेंट डिसॉर्डर- आमतौर पर इसे ऑटिज़्म का प्रकार नहीं माना जाता है। कुछ विशेष स्थितियों में ही लोगों को इस डिसॉर्डर से पीड़ित माना जाता है।

ऑटिज़्म के लक्षण

इस बीमारी के लक्षण आमतौर पर 12-18 महीनों की आयु में (या इससे पहले भी) दिखते हैं जो सामान्य से लेकर गम्भीर हो सकते हैं। ये समस्याएं पूरे जीवनकाल तक रह सकती हैं। नवजात शिशु जब ऑटिज्म का शिकार होते हैं उनमें विकास के निम्न संकेत दिखाई नहीं देते हैं-

- इक्का-दुक्का शब्द बार-बार बोलना या बड़बड़ाना
- किसी चीज़ की तरफ इशारा करना
- मां की आवाज़ सुनकर मुस्कुराना या उसे प्रतिक्रिया देना
- हाथों के बल चलकर दूसरों के पास जाना
- आंखों में आंखें मिलाकर ना देखना या आई-कॉन्टैक्ट ना बनाना

ऑटिज़्म के कारण और कारक

ऑटिज्म के सही कारणों का पता नहीं चल सका है। हालांकि, विभिन्न स्टडीज़ में कहा गया गया है कि यह डिसऑर्डर कुछ अनुवांशिक और पर्यावरणीय कारणों से होता है। जो कि गर्भ में पल रहे बच्चे के दिमाग के विकास को बाधित करते हैं। जैसे-

- दिमाग के विकास को नियंत्रित करने वाले जीन में कोई गड़बड़ी होना
- सेल्स और दिमाग के बीच सम्पर्क बनाने वाले जीन में गड़बड़ी होना
- गर्भावस्था में वायरल इंफेक्शन या हवा में फैले प्रदूषण कणों के सम्पर्क में आना
- जोखिम कारक इन बच्चों में ऑटिज़्म का खतरा सबसे अधिक होता है-
- ऐसे माता-पिता के बच्चे जिनका पहले से कोई बच्चा ऑटिज्म का शिकार हो
- समय से पहले पैदा होने वाले यानि प्रीमैच्योर बच्चे
- कम बर्थ वेट यानि जन्म के समय कम वजन के साथ पैदा होने वाले बच्चे
- उम्रदराज़ माता-पिता के बच्चे
- जेनेटिक/ क्रोमोसोमल कंडीशन जैसे, ट्यूबरस स्केलेरोसिस या फेज़ाइल एक्स सिंड्रोम
- प्रेगनेंसी के दौरान खायी गयीं कुछ दवाइयों का साइड-इफेक्ट

ऑटिज़्म से बचाव

चूंकि अध्ययनों में अभी तक ऑटिज़्म के कारणों का सही तरीके से पता नहीं चल सका है, इसीलिए वर्तमान में इस डिसऑर्डर से बचाव के कोई कारगर उपाय भी उपलब्ध नहीं है। फिलहाल, ऑटिज़्म के डायग्नोसिस या निदान के लिए कोई विशिष्ट टेस्ट नहीं है। आमतौर पर, अभिभावकों को बच्चे के व्यवहार और उनके विकास पर ध्यान देने के लिए कहा जाता है। ताकि, डिसऑर्डर का पता लगाने में मदद हो। विशेषज्ञों द्वारा मरीज की देखने, सुनने, बोलने और मोटर कॉर्डिनेशन की क्षमता का आंकलन किया जाता है। आमतौर पर 2 साल की उम्र के आसपास बच्चों में ऑटिज़्म होने का पता चल जाता है। लेकिन, कुछ बच्चों में ये लक्षण जल्दी नहीं दिखते हैं। इसीलिए जब बच्चा स्कूल जाने लगता है या जब वह टीनेजर हो जाता है तब उसके ऑटिस्टिक होने का पता चलता है।

ऑटिज़्म का उपचार

वर्तमान में ऑटिज़्म के लिए कोई उपचार उपलब्ध नहीं है। हालांकि, स्टडीज़ में ऐसे संकेत दिए गए हैं जिसमें बचपन में ही इंटरवेंशनल ट्रीटमेंट सर्विसेज़ की मदद से ऑटिस्टिक बच्चों को पढ़ने-लिखने जैसी ज़रूरी स्किल्स सीखने में सहायता मिल सके। इसमें एजुकेशनल प्रोग्राम और बिहेवियरल थेरेपी ,एक्यूप्रेशर, योग के साथ-साथ ऐसे स्किल्स ओरिएंटेड ट्रेनिंग सेशन्स भी कराए जाते हैं जो बच्चों को बोलना, सामाजिक व्यवहार और सकारात्मक व्यवहार सीखने में मदद करते हैं। चूंकि, हर व्यक्ति में ऑटिज़्म के लक्षण अलग अलग होते हैं, इसलिए हर व्यक्ति को विशेष उपचार देने से ही बेहतर परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। ऑटिज़्म के मुख्य लक्षणों का इलाज करने में दवाइयां कारगार नहीं होती हैं।

क्या आप जानते हैं बारिश के मौसम में रोज 1 चम्मच शहद खाने से क्या होता है

शहद गुणों की खान होता है। इसका इस्तेमाल कई तरीकों से किया जाता है। क्या आप जानती हैं कि अगर मानसून में आप रोज एक चम्मच शहद खाएंगी, तो इससे आपको अनगिनत फायदे मिल सकते हैं।

मानसून में कई बीमारियों का खतरा रहता है। बदलते मौसम के बीच, बुखार, जुकाम, सिरदर्द, जोड़ों का दर्द और डाइजेशन से जुड़ी दिक्कतें काफी आम रहती हैं। ऐसे में सेहतमंद रहने के लिए डाइट पर खास ध्यान देना चाहिए। बारिश में सही खान-पान बहुत जरूरी है ताकि इम्यूनिटी मजबूत बनी रहे। जहां इम्यूनिटी कमजोर होने पर बीमारियां जल्दी घेर लेती हैं। वहीं, इम्यूनिटी मजबूत होने पर इंफेक्शन्स का खतरा कम रहता है। सेहतमंद रहने के लिए, बारिश में डाइट में कई खास चीजों को शामिल करना चाहिए। आयुर्वेद मानसून में रोज 1 चम्मच शहद खाने की सलाह देता है। जी हां, अगर मानसून में आप रोज एक चम्मच शहद खाएंगी, तो इससे आपको अनगिनत फायदे मिल सकते हैं। इसे खाने का सही तरीका और इसके फायदों के बारे में आयुर्वेदिक डॉक्टर से जानते हैं।

बारिश के मौसम में शहद खाने के फायदे

- शहद का सेवन करने से इम्यूनिटी मजबूत होती है और कई बीमारियों से बचाव होता है।
- इससे सर्दी-खांसी और जुकाम से बचाव में भी मदद मिलती है।
- शहद में प्रीबायोटिक गुण होते हैं। रोजाना 1 चम्मच शहद खाने से मानसून में होने वाली पाचन संबंधी दिक्कतों में आराम मिलता है।
- अगर आप वजन कम करना चाहती हैं, तो भी शहद का सेवन पायदेमंद रहता है।
- शहद में एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं। यह मौसमी बीमारियों और इंफेक्शन्स को दूर करता है।
- रोजाना 1 चम्मच शहद खाने से कमजोरी दूर होती है और शरीर को ताकत मिलती है।

शहद खाने का सही तरीका

- शहद को आप मानसून में कई तरीकों से डाइट में शामिल कर सकती हैं।
- वजन कम करने के लिए 1 चम्मच शहद को पानी में मिलाकर खाएं।
- खांसी को दूर करने के लिए रात को 1 चम्मच शहद काली मिर्च के साथ खाएं।
- मानसून में 1 चम्मच शहद में सोंठ यानी सूखी अदरक का पाउडर मिलाकर खाना भी फायदेमंद रहता है।

क्या आप भी रात में लेते हैं प्रोटीन डाइट?

वजन कम करने के चक्कर में 5 बीमारियों को दे रहे हैं दावत

कुछ लोग रात को हाई प्रोटीन डाइट या प्रोटीन शेक लेते हैं। ऐसा करना कभी-कभी उनकी सेहत पर भी भारी पड़ सकता है। प्रोटीन वेट लॉस से लेकर अच्छी सेहत तक के लिए एक जरूरी पोषक तत्व है। प्रोटीन का शरीर के लिए कई फायदे हैं, जैसे कि यह आपकी क्रेविंग को कंट्रोल करता है, हेल्दी वेट लॉस करता है, शरीर को एनर्जी देता है और मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करता है आदि। लेकिन इसके ये सब फायदे आपको तभी मिल सकते हैं, जब आप प्रोटीन का सेवन सही ढंग से करें।

कुछ लोग प्रोटीन की कमी को पूरा करने के लिए हाई प्रोटीन डाइट लेते हैं, तो कुछ लोग, जो लोग जिम जाते हैं, वो हाई प्रोटीन डाइट में प्रोटीन सप्लीमेंट भी लेते हैं, जैसे कि प्रोटीन पाउडर। लेकिन तब भी कुछ लोगों को प्रोटीन का लाभ नहीं मिल पाता है, क्योंकि वो प्रोटीन गलत समय पर लेते हैं। रात को हाई प्रोटीन डाइट लेना या प्रोटीन पाउडर लेना पाचन और सेहत को कई बार नुकसान भी पहुंचा सकता है। इसलिए रात लाइट और बैलेंस डाइट लेने की सलाह दी जाती है। आइए जानते है कि रात को हाई प्रोटीन डाइट लेने से सेहत को क्या नुकसान हो सकते हैं।

पेट में भारीपन

रात के समय प्रोटीन युक्त लेना डाइट लेना पाचन पर भारी हो सकता है, क्योंकि इससे पाचन तंत्र को अधिक मेहनत करनी पड़ती है, जिससे पेट में भारीपन महसूस हो सकता है।

एसिडिटी की समस्या

हाई प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थों को पचाने में अधिक समय लगता है और रात को कोई शारीरिक एक्टिविटी होती नहीं है। जिससे रात में एसिडिटी की समस्याएं हो सकती हैं।

नींद प्रभावित होती है

प्रोटीन युक्त खाने को पचाने में अधिक ऊर्जा भी लगती है, जिससे शरीर को आराम करने में कठिनाई हो सकती है और नींद प्रभावित हो सकती है। इसके अलावा पेट में भारीपन महसूस होने पर आपको नींद नहीं आएगी।

वजन बढ़ना

रात के समय प्रोटीन युक्त डाइट लेने से अतिरिक्त कैलोरी का सेवन हो सकता है, जिससे वजन बढ़ने की संभावना बढ़ सकती है।

किडनी पर प्रभाव

अत्यधिक प्रोटीन का सेवन किडनी पर अतिरिक्त प्रेशर डाल सकता है, खासकर जब किसी को पहले से किडनी संबंधित समस्याएं हों।

संक्षिप्त खबरें

घर में घुसकर महिला से छेड़छाड़, गिरफ्तार

कांकेर। जिले के भानुप्रतापपुर थाने में पीड़िता ने घर में घुसकर महिला से छेड़छाड़ की शिकायत पर पुलिस ने टीम गठित कर फरार आरोपित आसिफ खान निवासी मोहला जिला मानपुर मोहला को आज गुरूवार को भानुप्रतापपुर बस स्टैंड से गिरफ्तार किया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 30 जुलाई को पीड़िता अपने घर के सामने 6 वर्ष की बेटी के साथ थी। इस दौरान आरोपी आसिफ खान उसके घर आया और उसके आगे पीछे घुमने लगा तब महिला डरकर कमरे के अंदर चली गई। आरोपित भी उसके पीछे-पीछे घर अंदर घुस गया और पीड़िता का गला व मुंह दबाकर बुरी नियत से छेड़खानी करने लगा और पलंग पर पटक दिया। पीड़िता के चिल्लाने से बेटी व आस-पास के लोग पहुंचे, जिससे आरोपि?त डरकर भाग गया। पीड़िता की रिपोर्ट पर भानुप्रतापपुर थाना प्रभारी निरीक्षक रामेश्वर देशमुख ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल टीम गठित कर रवाना किया।

एएनसी स्टाफ ने लाखों रुपये की हेराईन बरामद की

सिरसा। नशा तस्करों के खिलाफ चलाये जा रहे विशेष अभियान के अन्तर्गत सख्त कार्यवाही करते हुए एएनसी स्टाफ ने प्रेम नगर डबवाली से एक युवक को 260 ग्राम हेरोइन चिट्टा मोटरसाइकिल सहित गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। आरोपी की पहचान खुशदीप उर्फ दीप पुत्र जसपाल वासी गांव शेरगढ़ के रूप में हुई है। इस मामले के बारे में प्रभारी सुरेश कुमार ने बताया कि वह स्वयं अपनी पुलिस पार्टी के साथ नशीले पदार्थों की रोकथाम के लिये शहर डबवाली से गांव अलीकां रोड पर गस्त कर रहे थे जैसे ही पुराना शराब ठेका के पास पहुंचे तो वहा से एक कच्चा रास्ता बाई तरफ प्रेमनगर में जाता है।

दो युवक डोडा पोस्त के साथ गिरफ्तार

फतेहाबाद। नारकोटिक कंट्रोल ब्यूरो फतेहाबाद पुलिस की टीम ने गांव काजलहेड़ी के पास नाकाबंदी के दौरान कार सवार दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से करीब 39 किलो कचरा डोडा पोस्त बरामद किया है। वीरवार को हरियाणा राज्य नारकोटिक कंट्रोल ब्यूरो फतेहाबाद की टीम एसआई महेन्द्र सिंह के नेतृत्व में नशा तस्करों की धरपकड़ को लेकर नेशनल हाइवे पर गांव खाराखेड़ी ओवरब्रिज के पास मौजूद थी। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि कुलदीप कुमार उर्फ बॉक्सर पुत्र ओमप्रकाश निवासी डिंग मण्डी जिला सिरसा व अनिल कुमार पुत्र सुरेन्द्र सिंह निवासी बोदीवाली जिला फतेहाबाद दोनों डोडा पोस्त की तस्करी का काम करते हैं और एक डिजायर कार में भारी मात्रा में नशा लेकर सप्लाई करने के लिए गांव काजलहेड़ी की तरफ जाने वाले है।

शराबी ने अपने ही घर में लगाई आग

हरिद्वार। नशे की हालत में एक शराबी खुद के ही घर में आग लगा बैठा। गनीमत रही कि समय रहते परिजनों ने आग को बुझा दिया, वरना बड़ी दुर्घटना भी हो सकती थी। सूचना पर पहुंची दमकल टीम व पुलिस के आने के बाद आरोपित के परिजनों ने उसे पुलिस के हवाले कर दिया। जानकारी के मुताबिक रुड़की के मलकपुर खंजरपुर गांव निवासी अश्वनी नशे का आदी है। बुधवार देर शाम उसने नशे की हालत में अपने ही घर में आग लगा ली। मौके पर मौजूद उसकी पत्नी व बेटी ने किसी तरह आग को बुझाया। घटना की सूचना पर पुलिस व अग्निशमन विभाग के कर्मी मौके पर पहुंचे।

करंट आने से महिला समेत दो की मौत

हरिद्वार। रुड़की रोडवेज परिसर में टैक्सी स्टैंड के खोखे (गुमटी) में करंट आने से एक महिला और पुरुष की मौत हो गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची रुड़की पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल भिजवाया। बुधवार शाम से शुरू हुई बारिश से जगह-जगह जलभराव हो गया है। बारिश के बीच देर रात रुड़की रोडवेज परिसर स्थित टैक्सी स्टैंड के खोखे में करंट आ गया। जिससे वहां पर खड़ी एक महिला और एक पुरुष करंट की चपेट में आने से झुलस गए। हालांकि, मौके पर मौजूद कुछ लोगों ने उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। इसके बाद मामले की जानकारी पुलिस को दी।

बुजुर्ग महिला की ट्रेन से कटकर मौत

जालौन। उरई शहर के मुहल्ला नया रामनगर निवासी 75 वर्षीय रामदेवी का मकान अजनारी रोड रेलवे क्रासिंग के बगल में ही था। वह रोजाना टहलने के लिए घर से निकलती थी। गुरुवार को जैसे ही वह घर से निकलीं तो ट्रेन आने के कारण क्रासिंग बंद हो गई। जैसे ही वह क्रासिंग के पास पहुंचीं तो लोगों ने उन्हें रोका, लेकिन उन्हें सुनाई नहीं दिया। वह पटरी पार करने लगीं तो ट्रेन की चपेट में आ गई, जिससे उनकी मौत हो गई।

नदी में बहकर आई अज्ञात व्यक्ति की लाश

बलरामपुर। जिले के कोल्हुआ गांव में उस वक्त हड़कंप मच गया जब हिरिया नदी में बहकर एक अज्ञात व्यक्ति की लाश आई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर जांच में जुट गई है। यह मामला वाड्रफनगर चौकी का है। मृतक के शरीर पर चोट के निशान भी पाए गए हैं। जानकारी के अनुसार आज गुरुवार सुबह कोल्हुआ गांव ग्रामीण हर रोज की तरह नदी की ओर गए हुए थे। इस दौरान उन्होंने नदी में बहकर आए किनारे पर आए शव को देखा।

मुख्यमंत्री ने विभिन्न क्षेत्रों में अतिवृष्टि से हुए नुकसान की ली जानकारी

जिलाधिकारियों से निरंतर समन्वय बनाये रखें : धामी

देहरादून। एजेंसी

- पेयजल और विद्युत की सूचारू आपूर्ति हो
- आपदा की दृष्टि से संवेदनशील स्थानों से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर लाया जाए
- आवश्यकता पड़ने पर जनपदों को और भी धनराशि उपलब्ध कराई जायेगी

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को आईटी पार्क स्थित राज्य आपदा परिचालन केन्द्र पहुंचकर प्रदेश में अतिवृष्टि से हुए नुकसान के संबंध में जिलाधिकारियों से जानकारी ली। उन्होंने अगले 24 घण्टे सभी अधिकारियों को अलर्ट मोड में रहने के निर्देश दिए। उन्होंने बालगंगा और बूढ़ाकेदार क्षेत्र के प्रभावित गांवों के विस्थापन की प्रक्रिया को भी शीघ्र से शीघ्र शुरू करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आपदा प्रबंधन सचिव को निर्देश देते हुए कहा कि जिलाधिकारियों से निरंतर समन्वय बनाये रखें। अतिवृष्टि के कारण राहत व बचाव कार्यों के लिए जिलाधिकारियों की ओर से किसी भी प्रकार की सहायता मांगे जाने पर यथाशीघ्र उपलब्ध कराया जाए। मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारी हरिद्वार, टिहरी, देहरादून, चमोली, नैनीताल, अल्मोड़ा और उत्तरकाशी से बारिश की स्थिति, जानमाल के नुकसान, जलभराव की स्थिति, सड़कों, पुलों, पेयजल और विद्युत की उपलब्धता के बारे में जानकारी ली।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आपदा की दृष्टि से संवेदनशील स्थानों से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर लाया जाए और उनके रहने खाने की पर्याप्त व्यवस्थाएं रखी जाएं। सुरक्षित स्थानों पर लाये जा रहे बुजुर्गों, बच्चों और गर्भवती माताओं को रहने के साथ दवाइयों और अन्य आवश्यक सामग्रियों की समुचित व्यवस्था रखी जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपदा से राहत एवं बचाव कार्यों के लिए सभी जनपदों को इस वित्तीय वर्ष में अभी तक कुल 315 करोड़ की धनराशि उपलब्ध कराई जा चुकी है। आवश्यकता पड़ने पर जनपदों को और भी धनराशि उपलब्ध कराई जायेगी।

मुख्यमंत्री ने अतिवृष्टि से प्रभावित परिवारों को अनुमन्य सहायता राशि शीघ्र उपलब्ध कराये जाने के साथ ही फसलों और मवेशियों को हुए नुकसान का आंकलन करने के जिलाधिकारियों को निर्देश दिये हैं। मुख्यमंत्री ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिये कि अतिवृष्टि के कारण सड़कें बाधित होने की स्थिति में उनको सुचारू करने में कम से कम समय लिया जाए। उन्होंने पुल टूटने पर बेली ब्रिज बनाकर जल्द से जल्द आवागमन को सुचारू किए जाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए।

विधानसभा चुनाव में जनता कांग्रेस के झूठ का हिसाब लेगी : मदन

यमुनानगर। एजेंसी

पूर्व मेयर मदन चौहान ने कहा कि जितने विकास कार्य भारतीय जनता पार्टी की सरकार में पिछले 10 साल में हुए हैं, इससे पहले सरकार में कभी भी इतने विकास कार्य नहीं हुए। उनके जिले के साथ कांग्रेस सरकार ने भेदभाव किया और केवल अपने जिले में ही विकास कार्य किए, जबकि यमुनानगर को अछूता रखा गया। जब से भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी इस जिले में विकास कार्य तेज गति से हुए।

गुरुवार को अपने निवास पर आमजन की समस्याओं को लेकर पूर्व मेयर मदन चौहान ने कहा कि विपक्ष का काम केवल बोलना होता है। जनता जानती है कि भाजपा ने प्रदेश में कितना काम किया है। यही कारण है कि जनता आज भारतीय जनता पार्टी के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि जिला की जगाधरी, यमुनानगर, रादौर, सढौरा विधानसभा सीटों पर भाजपा चुनावों में विजय पताका लहराएंगी। कांग्रेस की कुटिलता को जनता अच्छी तरह से समझ चुकी है। विधानसभा चुनाव में हरियाणा की जनता कांग्रेस का सूपड़ा साफ कर देगी।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पास प्रदेश के विकास और जनता की सेवा करने का कोई विजन नहीं है, कांग्रेस सिर्फ झूठ और छल-कपट की राजनीति के सहारे सत्ता पर काबिज होने का सपना देख रही है, जिसे जनता कभी पूरा नहीं होने देगी।

उन्होंने कहा कि हरियाणा की जनता का भाजपा में विश्वास है। आने वाले विधानसभा चुनाव में जनता कांग्रेस से झूठ और भ्रम फैलाने का हिसाब-किताब लेगी। उन्होंने कहा कि हमारे निष्ठावान कार्यकताओं की ताकत और जनता के समर्थन से हरियाणा में तीसरी बार मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में पूर्ण बहुमत की सरकार बनेगी।

पाक ने आतंकवादी समूह एमबी और एचजीबीजी को प्रतिबंधित किया

इस्लामाबाद। एजेंसी

पाकिस्तान सरकार ने आतंकवादी समूह मजीद ब्रिगेड (एमबी) और हाफिज गुल बहादुर ग्रुप (एचजीबीजी) पर प्रतिबंध लगा दिया है। अब मुल्क में प्रतिबंधित संगठनों की कुल संख्या 81 हो गई है। इसके साथ ही सरकार ने प्रतिबंधित आतंकी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को फितना अल ख्वारिज के रूप में वर्गीगत किया है। इससे पहले 29 मार्च को आतंकवादी समूह जैनबियुन ब्रिगेड को प्रतिबंधित कर दिया गया था।

नेशनल काउंटर टेररिज्म अथॉरिटी के एक अधिकारी ने बताया कि मजीद ब्रिगेड को 19 जुलाई और हाफिज गुल बहादुर ग्रुप को 25 जुलाई को प्रतिबंधित किया गया है। प्रतिबंध लगाने से पहले दोनों संगठनों पर दो साल तक निगरानी रखी गई। हाफिज गुल बहादुर पहले एक सरकारी ठेकेदार थे। उनका संगठन एचजीबीजी अब उत्तरी वजीरिस्तान में सबसे मजबूत आतंकवादी समूह है। मजीद ब्रिगेड का गठन 2011 में हुआ था। यह बलूच लिबरेशन आर्मी का विशेष रूप से घातक गुरिल्ला सेल है।

यह ब्रिगेड ज्यादातर सुरक्षा बलों और चीन के हितों को निशाना बनाती है। आंतरिक मंत्रालय की बुधवार को जारी अधिसूचना के अनुसार सरकार ने सभी संस्थानों के लिए पाकिस्तान पर आतंकवादी हमलों के अपराधियों के नाम से पहले खारिजी का उपयोग करना अनिवार्य कर दिया है।

नेपाल ने मध्य पूर्व के देशों में रह रहे अपने नागरिकों के लिए जारी की चेतावनी

काठमांडू। एजेंसी

नेपाल के विदेश मंत्रालय ने मध्य पूर्व के देशों में रह रहे अपने नागरिकों के लिए विशेष सतर्कता बरतने की चेतावनी जारी की है। इस चेतावनी के बाद संबंधित देशों के नेपाली दूतावासों की तरफ से आपातकालीन संपर्क नंबर जारी किया गया है।

विदेश मंत्री डॉ.आरजू राणा देउवा ने मंत्रालय के अधिकारियों के साथ बैठक की और इजरायल द्वारा इरान एवं लेबनान में किए गए हमले के बाद उत्पन्न परिस्थितियों के मद्देनजर इन देशों में रह रहे अपने नागरिकों के लिए विशेष सतर्कता बरतने की चेतावनी जारी की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अमृत राई ने मीडियाकर्मियों से कहा कि इजराइल, इरान, मिस्र और लेबनान में रहे अपने नागरिकों को सुरक्षित रहने और विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि वैसे तो मध्यपूर्व की चिंताजनक अवस्था को देखते हुए आसपास के देशों में कामदार के रूप में गए अपने नागरिकों को भी अलर्ट रहने को कहा गया है।

विदेश मंत्रालय के निर्देश के बाद इरान, मिस्र और इजराइल में नेपाली दूतावास और लेबनान के महावाणिज्य दूतावास के जरिए सूचना जारी कर अलग-अलग देशों के लिए अलग-अलग आपातकालीन संपर्क नंबर जारी किया गया है। इन देशों में रहने वाले नागरिकों को तत्काल दूतावास से संपर्क करने और अपनी-अपनी लोकेशन के बारे में जानकारी देने को कहा गया है।

इरान के नए राष्ट्रपति के शपथग्रहण समारोह में शामिल होने राजधानी तेहरान पहुंचे हमास के सर्वोच्च नेता इस्माइल हानिया की हत्या इजरायल के द्वारा किए जाने का दावा किया गया है। इतना ही नहीं लेबनान की राजधानी बेरूत में रह रहे हिज्बुलाह के कमांडर फाउद शुकर को भी इजरायल ने मार गिराया है। इन दोनों घटनाओं के बाद इरान और लेबनान दोनों ने ही इजरायल से बदला लेने की धमकी दी है। इन्हीं सब परिस्थितियों के बाद मध्यपूर्व में काफी तनाव बना हुआ है।

टोहाना पुलिस ने गांजा सहित एक युवक को किया गिरफ्तार

फतेहाबाद। जिला पुलिस नशामुक्त अभियान के तहत तस्करों को काबू कर उन्हें सलाखों के पीछे भेजने का काम कर रही है। थाना शहर टोहाना पुलिस ने एक युवक को गांजा सहित गिरफ्तार किया है। थाना शहर टोहाना के अंर्तगत आने वाली चण्डीगढ़ रोड पुलिस चौकी की टीम गुरुवार को एसआई सुभाष चन्द्र के नेतृत्व में अपराधियों की धरपकड़ को लेकर गश्त के दौरान चण्डीगढ़ रोड से ऑटो मार्किट रोड की तरफ जा रही थी। जैसे ही टीम वृद्ध आश्रम के पास पहुंचने तो सामने से एक युवक हाथ में प्लास्टिक थैला लिए आता दिखाई दिया। उक्त युवक सामने पुलिस टीम को देखकर घबरा गया और वापस मुडकर तेज कदमों से चलने लगा। शक के आधार पर पुलिस कर्मचारियों ने युवक को काबू कर पूछताछ की तो युवक ने अपना नाम सुभाष पुत्र जगीर सिंह निवासी बाबा बूटा बस्ती, टोहाना बताया। पुलिस ने जब उसकी तलाशी ली तो उसके पास प्लास्टिक लिफाफे में से 700 ग्राम गांजा बरामद हुआ।

प्रदेश में बिजली और पानी के संकट से आमजन परेशान : शास्त्री

धौलपुर। एजेंसी

प्रदेश में बिजली और पानी की किल्लत समेत अन्य समस्याओं के विरोध में गुरुवार को कांग्रेस ने विरोध जताया। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर धौलपुर के गांधी पार्क में कांग्रेसजन जुटे तथा सरकार पर जमकर बरसे।

विरोध प्रदर्शन में प्रदेश कांग्रेस सदस्य दुर्गादत्त शास्त्री ने कहा कि प्रदेश में बिजली और पानी का संकट चल रहा है। धौलपुर में चंबल नदी तथा थर्मल पावर संयत्र के बावजूद जिले में बिजली और पानी की किल्लत है।

धौलपुर शहर में सुबह नाम मात्र की आपूर्ति की जा रही है। वहीं, शाम को नलों में पानी नहीं आ रहा है। परेशान लोग शासन और सरकार को कोस रहे हैं। लेकिन उनकी सुनने वाला कोई नहीं है। धौलपुर से चंबल का पानी भरतपुर,डीग और अलवर तक जा रहा है, लेकिन धौलपुर में लोग पानी को तरस रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि बिजली और पानी के संकट का समाधान नहीं हुआ, तो कांग्रेस जनहित में बडा आंदोलन करेगी। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष साकेत बिहारी शर्मा ने कहा कि प्रदेश सरकार हर मोर्चे पर विफल है। प्रदेश में आमजन बिजली कटौती, बिजली बिल में फिक्स चार्ज की दरों में बढ़ोतरी तथा पेयजल संकट से परेशान है। धौलपुर में बिजली और पानी के उपकरणों की मरम्मत तक के लिए बजट नहीं मिल रहा है।

चार भारतीय टीवी चैनल समूहों ने नेपाल में बंद किया प्रसारण

काठमांडू। एजेंसी

भारत के चार टीवी चैनल समूहों ने पैसे का भुगतान नहीं होने के कारण नेपाल में अपने-अपने चैनलों का प्रसारण गुरुवार से रोक दिय। इन चार टीवी चैनल समूहों में जी नेटवर्क, सोनी नेवर्क, स्टार ग्रुप और कलर्स हैं।

नेपाल के सूचना एवं संचार मंत्रालय के प्रवक्ता गजेन्द्र ठाकुर ने गुरुवार को मीडियाकर्मियों को बताया कि इस मामले को सुलझाने के लिए मंत्रालय की तरफ से पहल की जा रही है। आज शाम को चैनल डिस्ट्रीब्यूटरों और नेपाल राष्ट्र बैंक के प्रतिनिधियों को बुलाकर इसका निराकरण करने का प्रयास किया जाएगा।

ठाकुर के मुताबिक नेपाली दर्शकों के लिए गुरुवार से जी नेटवर्क, सोनी नेटवर्क, स्टार ग्रुप और कलर्स से जुड़े सभी चैनलों का प्रसारण रोक दिया गया है। नेपाल में इन चैनलों के प्रसारण का अधिकार खरीदने वाली वितरक कंपनी ने पिछले तीन महीने से भुगतान नहीं किया है। इस कारण एक अगस्त से नेपाल में इन चैनलों का प्रसारण नहीं हो रहा है।

इस बारे में नेपाल के सबसे बडे डीटीएच कंपनी डिस होम के चरपर्सन देवी प्रकाश भट्टचन ने कहा कि सरकारी नीति के कारण आज चैनल का प्रसारण नहीं हो पा रहा है। भारतीय चैनल के प्रसारण को लेकर जो भुगतान किया जाना है उसकी अनुमति नेपाल राष्ट्र बैंक ने रोक दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले तीन महीने से लगातार आग्रह किए जाने के बावजूद नेपाल राष्ट्र बैंक ने अब तक भुगतान को लेकर एक्सचेंज की सुविधा नहीं दी है। इस कारण चैनल का प्रसारण रुक गया है।

फसल मुख्य सचिव ने सभी तैयारियां जल्द से जल्द पूरा करने की दी डेडलाइन

उत्तराखंड में जल्द एग्री स्टैक प्रोजेक्ट लागू करने की तैयारी

- एग्री स्टैक का उद्देश्य किसानों तक सरकारी लाभों व योजनाओं को बेहतर करना है
- विभागों के कार्मिकों की सहायता लेने के निर्देश दिए हैं

देहरादून। एजेंसी

मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने राजस्व एवं कृषि विभाग को भारत सरकार के एग्री स्टैक प्रोजेक्ट (एग्री स्टैक-डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर) को राज्य में व्यापक स्तर पर लागू करने के लिए सभी तैयारियां जल्द से जल्द पूरा करने की डेडलाइन दी है। उन्होंने एग्री स्टैक प्रोजेक्ट को लागू करने के लिए गाइडलाइंस बनाने के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने बैठक कर उत्तराखंड में सभी किसानों की कृषक रजिस्ट्री को डिजिटल रूप से सत्यापित करने तथा राज्य के प्रत्येक किसान को एक यूनिक किसान आईडी प्रदान करने वाले महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट एग्री स्टैक को लागू करने के लिए अभियान चलाकर डिजिटल सर्वे (ई-पड़ताल) का कार्य जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए हैं। राज्य में एग्री स्टैक प्रोजेक्ट का शत–प्रतिशत कवरेज जल्द से जल्द पूरा करने के दृष्टिगत मुख्य सचिव ने एग्री स्टैक को लागू करने में स्थानीय समुदायों व किसानों को प्रशिक्षित करके उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए हैं। उन्होंने इस संबंध में कृषि विभाग, राजस्व विभाग तथा राजस्व बोर्ड को अपनी तैयारियां तत्परता से पूरी करने तथा कार्मिकों की कमी की दशा में अन्य विभागों के कार्मिकों की सहायता लेने के निर्देश दिए हैं।

एग्री स्टैक में एकत्रित होगा किसान रजिस्ट्री का डाटा

मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने कहा कि एग्री स्टैक में किसान की पहचान (आधार), भूमि रिकॉर्ड, कवरेज, आय, बीमा, ऋण, फसलों का विवरण तथा राजस्व रिकॉर्ड जैसी सभी सूचनाओं का स्टोरेज होगा। इस संबंध में सेटेलाइट डाटा, रियल टाइम क्रॉप इंफार्मेशन, मशीन लर्निंग, जीपीएस, एआई व विजुअल एनालिटिक्स की मदद से डाटा एकत्र किया जाएगा। एग्री स्टैक का उद्देश्य किसानों तक सरकारी लाभों व योजनाओं की बेहतर, तीव्र व आसान पहुंच डिलीवरी सुनिश्चित करना है।

मुख्य सचिव ने कहा कि एग्री स्टैक सिस्टम के माध्यम से किसान, सरकारी एजेंसियां, एग्रीटेक कंपनियां तथा वित्तीय संस्थान सहित कृषि क्षेत्र के विभिन्न हितधारक एक साथ आएंगे। बैठक में प्रमुख सचिव रमेश कुमार सुधांशु, सचिव एसएन पांडेय, चंद्रेश कुमार सहित कृषि एवं राजस्व विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

हिमाचल प्रदेश को शानन परियोजना अविलंब वापस करे पंजाब : सुक्खू

शिमला। एजेंसी

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा है कि जिला मंडी के जोगिन्द्रनगर में 110 मेगावाट की शानन जल विद्युत परियोजना हिमाचल प्रदेश के क्षेत्र अधिकार में हैं और पंजाब सरकार को अविलम्ब इस परियोजना को हिमाचल प्रदेश को लौटा देना चाहिए। मुख्यमंत्री सुक्खू ने गुरुवार को इस परियोजना को लेकर एक उच्च स्तरीय बैठक की। उन्होंने अधिकारियों को इस परियोजना पर सुप्रीम कोर्ट में प्रदेश सरकार का मामला मजबूती से प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के माध्यम से प्रदेश के लोगों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार हिमाचल के अधिकारों को वापस लेने के लिए कानूनी लड़ाई लड़ रही है।

उन्होंने कहा कि ब्रिटिश काल के दौरान शानन जल विद्युत परियोजना का निर्माण किया गया था। वर्ष 1925 में मंडी के तत्कालीन राजा जोगिन्द्र बहादुर और पंजाब के मुख्य अभियंता के बीच 99 वर्षों के लिए लीज समझौता हस्ताक्षरित हुआ था।

संक्षिप्त खबरें

श्रीलंकाई महिला क्रिकेट टीम अगस्त में सफेद गेंद श्रृंखला के लिए करेगी आयरलैंड का दौरा

कोलंबो। एशिया कप में जीत के बाद श्रीलंकाई महिला टीम 11 से 20 अगस्त तक दो टी20 और तीन वनडे मैचों के लिए आयरलैंड रवाना होगी, श्रीलंका क्रिकेट ने इसकी घोषणा की है। टीम 6 अगस्त को आयरलैंड के लिए रवाना होगी। यह श्रीलंका का आयरलैंड का पहला द्विपक्षीय दौरा होगा, जबकि यह इस साल आयरलैंड का तीसरा और घर पर उनका पहला द्विपक्षीय दौरा होगा, उन्होंने क्रमशः जिम्बाब्वे और यूएई में जिम्बाब्वे और थाईलैंड दोनों के साथ खेला है। आयरलैंड की टीम ने इस साल अभी तक कोई द्विपक्षीय मैच नहीं हारी है, लेकिन यह एक बहुत कठिन परीक्षा होगी क्योंकि श्रीलंका ने 2024 में खेले गए 23 सफेद गेंद वाले मैचों में से 18 जीते हैं। श्रीलंका का आयरलैंड के खिलाफ बेदाग रिकॉर्ड भी है, उन्होंने एक-दूसरे के खिलाफ तीन वनडे और तीन टी20 मैच जीते हैं। हालांकि, 2017 महिला वनडे विश्व कप क्वालीफायर के बाद यह पहली बार होगा जब ये दोनों टीमें आमने-सामने होंगी।

बीसीबी ने पाकिस्तान दौरे के लिए सरकार से सुरक्षा सलाहकार की मांग की

नई दिल्ली। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के अधिकारियों ने कहा कि उन्होंने सरकार से अनुरोध किया है कि वे आगामी पाकिस्तान दौरे के दौरान उन्हें सुरक्षा सलाहकार मुहैया कराएं। बांग्लादेश, जो 17 अगस्त को पाकिस्तान की यात्रा करेगा, मेजबान के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज, रावलपिंडी (21-25 अगस्त) और कराची (30 अगस्त-3 सितंबर) में खेलेगा, जो आईसीसी टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा है। पाकिस्तान की राजनीतिक स्थिति के कारण अंतरराष्ट्रीय टीमों के लिए पाकिस्तान की यात्रा हमेशा चिंता का विषय रही है।

आठ सितंबर से शुरू होंगे विश्व घुमंतू खेल

नई दिल्ली। कजाखस्तान 8 और 13 सितंबर को पांचवें विश्व घुमंतू खेलों की मेजबानी करेगा, जो मध्य एशिया के खानाबदोश लोगों की परंपराओं में निहित जातीय खेलों को प्रदर्शित करने वाला एक अनूठा अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजन है। भारत में कजाखस्तान के दूतावास के एक बयान के अनुसार, यह आयोजन जातीय-खेलों और जातीय-सांस्कृतिक आंदोलन को बढ़ावा देगा, उन्हें मानव सभ्यता के एक प्रमुख हिस्से के रूप में मनाएगा। लगभग 100 देशों के लगभग 2,500 प्रतिभागियों के खेलों में भाग लेने की उम्मीद है। इस आयोजन में 100,000 से अधिक घरेलू और विदेशी पर्यटकों के आने की उम्मीद है। कजाखस्तान के पर्यटन और खेल मंत्रालय, यूनेस्को, तुर्किक राज्यों के संगठन और अन्य संगठनों द्वारा आयोजित खेल, कजाखस्तान की राजधानी अस्ताना में द गैदरिंग ऑफ द ग्रेट स्टेप के आदर्श वाक्य के तहत होंगे। प्रमुख खेल स्थलों पर 21 खेलों की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी, जिनमें घुड़दौड़, राष्ट्रीय कुश्ती शैलियां, पारंपरिक बौद्धिक खेल, मार्शल आर्ट प्रतियोगिताएं, पारंपरिक तीरंदाजी और लोक खेल शामिल हैं, जिनमें कुल 97 पदक प्रदान किए जाएंगे।

काव्या ने की रिटेन किए जा सकने वाले विदेशी खिलाड़ियों की संख्या पर प्रतिबंध हटाने की मांग

नई दिल्ली। काव्या कलानिथी मारन ने रिटेन किए जा सकने वाले विदेशी खिलाड़ियों की संख्या पर प्रतिबंध हटाने की मांग की है। सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) फ्रैंचाइज की सीईओ ने मेगा नीलामी से पहले आईपीएल फ्रैंचाइज के लिए कम से कम छह रिटेंशन या राइट टू मैच (आरटीएम) विकल्प का अनुरोध किया है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने सुझाव दिया है कि जो विदेशी खिलाड़ी मेगा नीलामी में नामांकन नहीं करते हैं या खरीदे जाने के बाद नहीं आते हैं, उन पर प्रतिबंध लगा दिया जाना चाहिए। क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार, बुधवार को आईपीएल टीम मालिकों और बीसीसीआई अधिकारियों के बीच हुई बैठक में, एसआरएच प्रमोटर ने प्रत्येक फ्रैंचाइज के लिए कम से कम छह रिटेंशन या वैकल्पिक रूप से, उतने ही आरटीएम विकल्पों की आवश्यकता पर जोर दिया।

कुसाले ने जीता कांस्य, भारत को मिला तीसरा मेडल

50 मीटर राइफल 3पी स्पर्द्धा में पदक जीतने वाले पहले भारतीय निशानेबाज भी बने कुसाले

पदक जीतने वाले पहले भारतीय निशानेबाज भी बने

पेरिस। एजेंसी

भारतीय निशानेबाज स्वप्निल कुसाले ने गुरुवार को चल रहे पेरिस ओलंपिक में पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3पी स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। कुसाले पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3पी स्पर्धा में पदक जीतने वाले पहले भारतीय निशानेबाज भी बने। कुसाले ने 50 मीटर राइफल 3 पोजिशन पुरुषों के फाइनल में 451.4 के कुल स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रहकर भारत के लिए कांस्य पदक जीता। उन्होंने कुल मिलाकर निशानेबाजी में भारत का तीसरा पदक हासिल किया।

इससे पहले क्वालिफिकेशन राउंड में, भारतीय निशानेबाज स्वप्निल कुसाले ने बुधवार को चल रहे पेरिस ओलंपिक में पुरुषों की 50 मीटर 3पी के क्वालिफिकेशन

राउंड में सातवें स्थान पर रहकर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया।

भारतीय निशानेबाज ऐश्वर्या प्रताप सिंह तोमर और स्वप्निल कुसाले दोनों पेरिस 2024 ओलंपिक में पुरुषों की 50 मीटर 3पी क्वालीफिकेशन राउंड में शामिल हुए। अपने ओलंपिक पदार्पण पर, कुसाले 590-38x के स्कोर के साथ सातवें स्थान पर रहे। जबकि तोमर 589-33x के कुल स्कोर के साथ 11वें स्थान पर रहे। केवल शीर्ष आठ निशानेबाज ही फाइनल राउंड के लिए क्वालीफाई कर पाए और तोमर फाइनल राउंड में अपनी जगह बनाने में असफल रहे। पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना के लियू युकुन ने कुल 594-38x के साथ क्वालीफिकेशन ओलंपिक रिकॉर्ड दर्ज किया। लियू युकुन ने कुल 463.6 अंकों के साथ स्वर्ण पर कब्जा किया। जबकि यूक्रेन के एस. कुलिश ने 461.3 अंकों के साथ रजत पदक जीता। कुसाले ओलंपिक में पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3पी पदक स्पर्धा में जगह बनाने वाले पहले भारतीय निशानेबाज भी थे।

इससे पहले बहु-खेल आयोजन में, भारत की निशानेबाज मनु भाकर ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक के साथ देश का खाता खोला। उन्होंने 2004 में सुमा शिरुर के बाद ओलंपिक की व्यक्तिगत स्पर्धा में शूटिंग फाइनल में पहुंचने वाली 20 वर्षों में पहली भारतीय महिला बनकर इतिहास रच दिया। मनु और सरबजोत सिंह की भारतीय निशानेबाजी जोड़ी ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक के प्ले-ऑफ मैच में दक्षिण कोरिया के ली वोनहो और ओह ये जिन को 16-10 से हराया।

खुशी है कि देश के लिए कांस्य जीत सका : कुसाले

पेरिस। चल रहे पेरिस ओलंपिक में भारत को तीसरा पदक दिलाने के बाद भारतीय निशानेबाज स्वप्निल कुसाले ने कहा कि उन्हें खुशी है कि वह भारत के कांस्य जीत सके। कांस्य पदक पर निशाना साधने के बाद कुसाले ने कहा यह तनावपूर्ण था, लेकिन मुझे खुशी है कि मैं भारत के लिए कांस्य पदक जीत सका। मैंने वही किया जो मैं इतने सालों से करता आ रहा हूं। उन्होंने आगे कहा, मेरे दिमाग में कुछ 'कीवर्ड' थे। मैंने बस अपनी सांसों पर ध्यान केंद्रित किया। मैं पदक जीतकर उत्साहित हूँ। शायद यह अभी भी मेरे दिमाग में नहीं आया है, लेकिन शांत रहना पिछले कुछ समय से जीवन का एक तरीका बन गया है। बता दें कि कुसाले ने गुरुवार को चल रहे पेरिस ओलंपिक में पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3पी स्पर्द्धा में कांस्य पदक जीता। कुसाले पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3पी स्पर्द्धा में पदक जीतने वाले पहले भारतीय निशानेबाज भी बने। कुसाले ने 50 मीटर राइफल 3 पोजिशन पुरुषों के फाइनल में 451.4 के कुल स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रहकर भारत के लिए कांस्य पदक जीता। उन्होंने कुल मिलाकर निशानेबाजी में भारत का तीसरा पदक हासिल किया। पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना के लियू युकुन ने कुल 463.6 अंकों के साथ स्वर्ण पर कब्जा किया। जबकि यूक्रेन के एस. कुलिश ने 461.3 अंकों के साथ रजत पदक जीता।

पदक तालिक में चीन शीर्ष पर, भारत 35वें स्थान पर

नई दिल्ली। एजेंसी

पेरिस ओलंपिक के पांचवें दिन की समाप्ति के बाद चीन पदक तालिका में 8 स्वर्ण, 7 रजत और 3 कांस्य सहित 18 पदकों के साथ पहले स्थान पर है। जापान और फ्रांस क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। जापान के नाम 15 पदक (8 स्वर्ण, 3

रजत और 4 कांस्य) हैं, जबकि फ्रांस के नाम 25 पदक (7 स्वर्ण, 10 रजत और 8 कांस्य) हैं। तालिका में ऑस्ट्रेलिया 7 स्वर्ण, 4 रजत और 3 कांस्य सहित कुल 14 पदकों के साथ चौथे और ग्रेट ब्रिटेन 6, स्वर्ण, 6 रजत और 5 कांस्य सहित कुल 17 पदकों के साथ पांचवें स्थान पर है। भारत ने पेरिस ओलंपिक में अपना दूसरा पदक जीता, जब मनु भाकर और सरबजोत सिंह ने मंगलवार को 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीता और वर्तमान में स्टैंडिंग में 35वें स्थान पर है। ग्रीष्मकालीन ओलंपिक का 33वां संस्करण शुक्रवार को शुरू हुआ और 11 अगस्त को समाप्त होगा।

पेरिस ओलंपिक: भारतीय पुरुष हॉकी टीम बेल्जियम से 1-2 से हारी

पेरिस। एजेंसी

भारतीय पुरुष हॉकी टीम को पेरिस 2024 ओलंपिक में पहली हार का सामना करना पड़ा। गुरुवार को गत चैंपियन बेल्जियम ने पूल बी मैच में भारत को 2-1 से शिकस्त दी। भारतीय टीम ने मैच के 18वें मिनट में बढ़त हासिल कर ली, जब आर्थर डी स्लोवर की गलती का फायदा उठाते हुए अभिषेक ने गोल किया।

हालाँकि, 33वें मिनट में थिब्यू स्टॉकब्रोक्स ने गोल कर बेल्जियम को 1-1 से बराबरी दिला दी। इस गोल के ग्यारह मिनट बाद, जॉन-जॉन डोहमेन ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर बेल्जियम की बढ़त 2-1 कर दी और अंत में यही स्कोर निर्णायक साबित हुआ।

भारत चार मैचों के बाद सात अंकों के साथ ग्रुप बी में दूसरे स्थान पर है, जबकि बेल्जियम चार जीत के साथ शीर्ष पर है। हरमनप्रीत सिंह की अगुआई वाली टीम ने अपने अभियान के पहले मैच में न्यूजीलैंड को 3-2 से हराया, इससे पहले अर्जेंटीना ने उसे 1-1 से ड्रॉ पर रोका था। अपने पिछले मैच में, मेन इन ब्लू ने आयरलैंड को 2-0 से हराया था।

टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम पहले ही क्वार्टर फाइनल में पहुंच चुकी है और शुक्रवार को भारतीय समयानुसार शाम 4:45 बजे पूल बी के अपने अंतिम मैच में ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगी।

निशांत देव क्वार्टर फाइनल में, पैडलर श्रीजा का सफर समाप्त

पेरिस। एजेंसी

भारतीय मुक्केबाज निशांत देव ने क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली, जबकि पैडलर श्रीजा अकुला चल रहे पेरिस ओलंपिक में महिला एकल स्पर्धा में बाहर होकर इतिहास रचने में नाकाम रहीं। भारतीय मुक्केबाज इक्वाडोर के जोस रोड्रिग्ज के खिलाफ एक नर्वस मुकाबले के बाद अंतिम आठ में पहुंचने में सफल रहे। वह विभाजित निर्णय के फैसले से मुकाबला जीतने में सफल रहे और पुरुषों के 71 किग्रा क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। भारत ने मुक्केबाजी में सफलता का स्वाद चखा, लेकिन टेबल टेनिस में देश के लिए दिल टूटने की खबर रही। श्रीजा, अपने जन्मदिन पर दुनिया की नंबर एक महिला खिलाड़ी यिंगशा सुन के खिलाफ हार गईं।

अकुला के पास ओलंपिक में टेबल टेनिस के क्वार्टर फाइनल में शामिल होने वाली पहली भारतीय पैडलर बनने का अवसर था। हालांकि, चीन की दुनिया की नंबर

एक खिलाड़ी को हराने की चुनौती 26 वर्षीय के लिए एक त्रुटिहीन कार्य साबित हुई। अकुला के प्रेरित प्रदर्शन ने उन्हें शुरूआती दो गेम में चीन की पैडलर पर हावी होते देखा। उनके शुरूआती प्रदर्शन ने संकेत दिया कि वह यह उपलब्धि हासिल करने वाली पहली पैडलर के रूप में बाहर निकलेंगी। हालांकि, अकुला यिंगशा की ताकत के आगे झुक गईं।

पहले गेम में अकुला ने अपने लिए चार गेम प्वाइंट हासिल किए, लेकिन यिंगशा ने लगातार छह अंक जीतकर पहला गेम (10-12) अपने नाम कर लिया।

निखत जरीन राउंड ऑफ 16 मुकाबले में वू यू से हारीं

पेरिस। एजेंसी

एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता निखत जरीन गुरुवार को नॉर्थ पेरिस एरिना में पेरिस 2024 ओलंपिक की महिलाओं की 50 किग्रा मुक्केबाजी के राउंड ऑफ 16 में शीर्ष वरीयता प्राप्त चीन की वू यू से 0:5 से हार गईं।

वू ने पहला राउंड 4-1 से जीता, जिसमें पाँच में से चार जजों ने उनके पक्ष में फैसला सुनाया। इसके बाद उन्होंने दूसरे राउंड में 3-2 से जीत दर्ज की और तीसरे राउंड में भी शानदार जीत दर्ज की। इस मुकाबले से पहले, दो बार की विश्व चैंपियन निखत ने 2022 के बाद से सिर्फ. दो मुकाबले हारे थे। वह राष्ट्रमंडल खेलों की चैंपियन और एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता भी हैं।

इससे पहले, दो बार की विश्व चैंपियन ने रविवार को जर्मनी की मैक्सी कैरिना क्लोएत्जर पर शानदार जीत के साथ महिलाओं के 50 किग्रा ओलंपिक प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी। पहले राउंड के बाद तीन कार्ड से पिछड़ने के बाद, निखत ने नॉर्थ पेरिस एरिना में 32 राउंड के मुकाबले में जर्मन खिलाड़ी के खिलाफ 5-0 के अंतर से जीत हासिल की थी। गैर वरीयता प्राप्त जरीन को पदक का प्रबल दावेदार माना जा रहा था, लेकिन उन्हें कड़ा ड्रॉ मिला था।

भारत के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर हुए पथिराना और मदुशंका

नई दिल्ली। श्रीलंका के दो और तेज गेंदबाज मथिषा पथिराना और दिलशान मदुशंका भारत के खिलाफ एकदिवसीय मैचों से बाहर हो गए हैं। पथिराना को कंधे में और मदुशंका को हैमस्ट्रिंग में चोट लगी है। श्रीलंका की टीम में दुष्मंथा चमीरा भी नहीं हैं, जो बीमारी के कारण बाहर हैं, और नुवान तुषारा भी नहीं हैं, जिनके अंगूठे में फ्रैक्चर है। ये दोनों खिलाड़ी टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में भी नहीं खेल पाए थे। ईएसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार, फिलहाल श्रीलंका ने दाएं हाथ के तेज गेंदबाज मोहम्मद शिराज को टीम में शामिल किया है। दोपहर बाद श्रीलंका क्रिकेट की ओर से जारी बयान में पुष्टि की गई कि टीम में दूसरे अनकैप्ड दाएं हाथ के तेज गेंदबाज इशान मलिंगा को शामिल किया गया है। इसके अलावा तीन खिलाड़ियों बल्लेबाज कुसल परेरा, तेज गेंदबाज प्रमोद मदुशन और स्पिनर जेफरी वेंडरसे को स्टैंडबाय पर रखा गया है।

वाणिज्य

सीगल इंडिया का आईपीओ खुला, 5 अगस्त तक निवेश कर सकेंगे निवेशक

नई दिल्ली। एजेंसी

सीगल इंडिया लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) गुरुवार को निवेशकों के लिए खुल गया है। निवेशक इस आईपीओ के लिए 5 अगस्त 2024 तक बोली लगा सकते हैं। कंपनी ने इस आईपीओ के जरिए 1252.66 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा है। ढांचागत क्षेत्र की सीगल इंडिया लिमिटेड ने अपने आईपीओ का मूल्य दायरा (प्राइस बैंड) 380-401 रुपये प्रति शेयर तय किया है। सीगल इंडिया का आईपीओ बोली लगाने के पहले दिन 12:40 बजे तक 0.24 गुना बुक हो चुका है। इस आईपीओ का खुदरा हिस्सा अब तक 0.40 गुना भर चुका है। वहीं, नॉन-इंस्टीट्यूशन इंवेस्टरर्स का हिस्सा 0.34 गुना सब्सक्राइब किया जा चुका है। कंपनी का बुक

बिल्ड इश्यू बॉम्बे स्टॉक एक्स्चेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर लिस्ट किया जाएगा। निवेशक एक के हिसाब से आईपीओ के लिए अप्लाई कर सकते हैं, कंपनी के इश्यू लॉट में 37 शेयर शामिल हैं। कंपनी इस निर्गम से मिलने वाली राशि का इस्तेमाल उपकरणों की खरीद और कर्ज भुगतान के अलावा सामान्य कंपनी जरूरतों के लिए करेगी। उल्लेखनीय है कि लुधियाना बेस्ड सीगल इंडिया लिमिटेड एक इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी है, जिसने एलिवेटेड रोड, फ्लाईओवर, पुल, रेलवे ओवरब्रिज, टनल, हाइवे, मेट्रो, एक्सप्रेस-वे और रनवे जैसे स्पेशलाइज्ड स्ट्रक्चरल वर्क अनुभव के साथ-साथ देश के दस राज्यों में 34 से ज्यादा प्रोजेक्ट पूरे किए हैं। कंपनी के मुताबिक जून, 2024 तक उसे 9,470 करोड़ रुपये का ऑर्डर मिला हुआ था।

एटीएफ 3,007 रुपये प्रति किलोलीटर हुआ महंगा

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने कमर्शियल गैस के बाद विमान ईंधन एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमत में करीब 3,007 रुपये तक की बढ़ोतरी की है। नई दरें गुरुवार से लागू हो गई है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक, देश की राजधानी नई दिल्ली में एटीएफ का भाव 3,006.71 रुपये प्रति किलोलीटर से बढ़कर 97,975.72 रुपये प्रति किलोलीटर हो गया है। मुंबई में एटीएफ 91,650.34 रुपये प्रति किलोलीटर में मिलेगा। चेन्नई में इसकी कीमत 1,01,632.08 रुपये प्रति किलोलीटर और कोलकाता में 1,00,520.88 रुपये प्रति किलोलीटर हो गई है। उल्लेखनीय है कि त्योहारी सीजन शुरू होने से पहले विमान ईंधन एटीएफ की कीमत में बढ़ोतरी से हवाई सफर महंगा होने की आशंका बढ़ गई है। दरअसल एटीएफ की दरों में बदलाव का सीधा असर विमान के किराये पर दिखता है।

शेयर बाजार ने बनाया नया रिकॉर्ड, सेंसेक्स 271 अंक उछला

नई दिल्ली। एजेंसी

शेयर बाजार ने गुरुवार को ऑल टाइम हाई का नया रिकॉर्ड बनाया। हफ्ते के चौथे दिन शुरूआती कारोबार में शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स ने 82,019 और निफ्टी ने 25,050 के स्तर छुआ। अभी बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 270.95 अंक यानी 0.33 फीसदी उछलकर 82,012.29 के स्तर पर ट्रेंड कर रहा है। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का भी निफ्टी 91.25 अंक यानी 0.37 फीसदी की तेजी के साथ 25,042.40 पर कारोबार कर रहा है। शेयर बाजार में शुरूआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 24 शेयरों में तेजी और 6 शेयरों में गिरावट दिख

रही है। फिलहाल ऑटो, मेटल और एनर्जी शेयरों में ज्यादा तेजी है। वहीं, भारतीय मुद्रा रुपया भी शुरूआती कारोबार में एक पैसे की बढ़त के साथ 83.67 प्रति डॉलर पर खुला।

हालांकि, एशियाई बाजार में आज गिरावट देखने को मिल रही है। जापान के निक्केई में 2.58 फीसदी और हॉन्गकॉन्ग के हैंगसेंग में 0.36 फीसदी और चीन के शंघाई कंपोजिट में 0.26 फीसदी की गिरावट है। उल्लेखनीय है कि इससे एक दिन पहले बुधवार को शेयर बाजार में तेजी देखने को मिली थी। सेंसेक्स 285 अंक की बढ़त के साथ 81,741 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी भी 93 अंक की तेजी के साथ 24,951 के स्तर पर बंद हुआ था।

कमर्शियल गैस सिलेंडर 8.50 रुपये तक महंगा

नई दिल्ली। बजट पेश होने के बाद लोगों को महंगाई पहला झटका लगा है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने कमर्शियल गैस की कीमत में 8.50 रुपये प्रति सिलेंडर तक की बढ़ोतरी कर दी है। हालांकि, घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के दाम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। नई दरें (आज) गुरुवार से लागू हो गई हैं। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक देश की राजधानी दिल्ली में 19 किलोग्राम वाला कमर्शियल गैस की कीमत अब 6.50 रुपये बढ़कर 1652.50 रुपये प्रति सिलेंडर हो गया हैं, जो पहले 1646 रुपये में मिल रहा था। कोलकाता में यह 8.50 रुपये बढ़कर 1764.50 रुपये में मिल रहा है, जो पहले 1756 रुपये में मिल रहा था। वहीं, मुंबई में इसकी कीमत 7 रुपये प्रति सिलेंडर बढ़कर 1605 रुपये हो गई है। यह पहले 1598 रुपये में बिक रहा था। इसी तरह चेन्नई में कमर्शियल गैस सिलेंडर 1817 रुपये का मिल रहा है।

संक्षिप्त समाचार

शंकरलाल मेघवाल हत्याकांड को लेकर सीएम के नाम एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

चमकता राजस्थान। भुसावर (राजवीर सिंह) एनएसयूआई एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शंकरलाल मेघवाल हत्याकांड के मामले को लेकर राजस्थान सरकार मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नाम उपखण्ड अधिकारी भुसावर को ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में उल्लेख कियागया है कि गत दिनो शंकरलाल मेघवाल के घर में घुसकर दबंगों द्वारा तलवार से हत्या कर, शिक्षक के पिता का हाथ काटने जैसी घटना निंदनीय है। इस डबल इंजन की सरकार में दबंगों के हौसले बुलंद है, और आम लोगों पर अत्याचार बढ़ते जा रहे हैं। प्रशासन से अनुरोध है कि इन हत्यारों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करें और शंकरलाल मेघवाल को न्याय मिले। राजस्थान में आए दिन एससी एसटी वर्ग पर घटनाएं हो रही है क्यों सरकार सबक नहीं ले रही राजस्थान की कानून व्यवस्था पूरी खराब है। इस मौके पर अमित कुमार पिंगोरिया एनएसयूआई, मुखन गुर्जर कोटकी पथिक सेना तहसील अध्यक्ष भुसावर, कुंवर पुष्पेंद्र सिंह गोठ-रा तहसील अध्यक्ष एनएसयूआई, सुरेंद्र सिंह, गौरव पौडवाल, नौरंग सिंह मीणा, राज चेटोली, प्रहलाद, राकेश, सहित सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता उपिस्थित थे।

ग्राम पंचायत स्तरीय जनसुनवाई वीसी कार्यक्रम आयोजित।

चमकता राजस्थान। श्रीनगर रघुनंदन पारीक। ग्राम पंचायत मुख्यालय स्थित ग्राम लवेरा में ग्राम पंचायत स्तरीय जनसुनवाई वीसी कार्यक्रम का आयोजन हुवा कार्यक्रम में सभी विभागों के आला अधिकारी उपस्थित रहे कार्यक्रम में नसीराबाद उप खण्ड अधीकारी देवी लाल यादव, विकास अधिकारी श्रीनगर महेश चौधरी, नायब तहसीलदार रामनिवास आदि मौजूद रहे जनसुनवाई कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामीणों की समस्याओं का तुरंत समाधान किया गया। लवेरा निवासी हेमराज मेघवंशी ने बताया कि ग्राम लवेरा से लवेरा चोराहे तक मुख्य सड़क के डामरीकरण को लेकर पूर्व में भी शिकायत दर्ज कराई और आज भी जनसुनवाई में ये समस्या रखी एसडीएम देवी लाल यादव ने आश्वासन दिया कि जल्द ही आपकी समस्या का समाधान होगा। जनसुनवाई में उपस्थित ग्रामीणों में एडवोकेट शिवजी राम गुर्जर विष्णु वैष्णव,सरपंच शकर लाल जाट जसराज ठेकेदार, जुगराज मेघवंशी, सोजी सेन, हेमराज मेघवंशी, गोपाल लाल गुर्जर, प्रहलाद डेयरी, बी एल गुर्जर ग्रामीण रहे मोजूद,।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से 16वें वित्त आयोग के प्रतिनिधिमंडल ने की शिष्टाचार भेंट

चमकता राजस्थान/जयपुर, 1 अगस्त। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से गुरूवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में 16वें वित्त आयोग के प्रतिनिधिमंडल ने शिष्टाचार भेंट की।
शर्मा ने शॉल ओढ़ाकर एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सभी सदस्यों का स्वागत किया। प्रतिनिधिमंडल में वित्त आयोग के अध्यक्ष अरविंद पनगडिया एवं सदस्य अजय नारायण झा, श्रीमती एनी जॉर्ज मैथ्यू, डॉ. मनोज पाण्डा, डॉ. सौम्य कांति घोष एवं सचिव रित्विक पाण्डे उपस्थित रहे।
इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्रीमती दिया कुमारी एवं मुख्य सचिव सुधांश पंत भी मौजूद रहे।

जीत के बाद सरबजोत ने इंडिया हाउस में चखे गोलगप्पे और डोसा

चमकता राजस्थान/पेरिस। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता निशानेबाज सरबजोत सिंह ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में जीत के बाद 'इंडिया हाउस' में गोलगप्पे, भेल और डोसा का आनंद लिया। सिंह और मनु भाकर ने दक्षिण कोरिया को 16-10 से हराकर भारत को ओलंपिक में दूसरा पदक दिलाया। 22 वर्षीय सरबजोत अन्य खिलाड़ियों के साथ जीत के तुरंत बाद इंडिया हाउस पहुंचे।
रिलायंस फाउंडेशन की अध्यक्ष नीता अंबानी ने पदक विजेताओं का स्वागत किया, तो वहीं खिलाड़ियों ने 'इंडिया हाउस' में घर का खाना पाकर अपनी खुशी जाहिर की। रिलायंस फाउंडेशन ने 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी में दिलचस्पी रखने वाले भारत के खिलाड़ियों के लिए 'इंडिया हाउस' बनाया है, जो भारतीय वास्तुकला और व्यंजनों को प्रदर्शित करता है।
खाने के बाद खिलाड़ियों ने फिल्म 'आरआरआर' के 'नाटू-नाटू' गीत पर भी डांस किया। 'इंडिया हाउस' ने खिलाड़ियों को घर जैसा माहौल और भारतीय संस्कृति का अनुभव कराया। यहां सुबह के योग सत्र और बॉलीवुड डांस की क्लासेस स्थानीय लोगों में काफी लोकप्रिय हैं।

जिला कलक्टर ने रनपुरा में की जनसुनवाई

परिवादों का संवेदनशीलता के साथ करें निस्तारण : जिला कलक्टर

चमकता राजस्थान

धौलपुर (रामदास तरुण)। धौलपुर, 1 अगस्त 24 को जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी ने गुरुवार को उपखंड बाड़ी की ग्राम पंचायत चिलाचौंद के ग्राम रनपुरा में जनसुनवाई की। जिला कलक्टर ने कहा कि सभी अधिकारी जनसुनवाई में प्राप्त होने वाले परिवादों का संवेदनशीलता के साथ समाधान का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि लोगों को सही जानकारी देकर विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित किया जाये साथ ही परिवादों का सहानुभूति पूर्वक निस्तारण किया जाये। ग्रामीणों द्वारा ग्राम रनपुरा से हल्ले का पू-रा को एनएच 11 बी से जोड़ने

वाली सड़क तथा मंडपुरा को हाइवे से जोड़ने वाली सड़क के क्षतिग्रस्त होने का परिवाद दायर किया जिस पर जिला कलक्टर ने क्षतिग्रस्त सड़क की मरम्मत करने हेतु, अधिकारियों को निर्देश दिए। रामबक्स का पुरा में तालाब की पाल के मरम्मत का परिवाद दिया। जिला कलक्टर ने पाल के मरम्मत कार्य मनरेगा से करवाने हेतु प्रस्ताव भिजवाने के निर्देश दिए। मंडपुरा में आंगनबाड़ी केंद्र खोलने के प्रस्ताव भिजवाने के निर्देश दिए। रनपुरा में अधूरे पड़े सामुदायिक भवन का कार्य पूर्ण करवाने के भी निर्देश दिए। साथ ही रनपुरा में नाला निर्माण करने के भी निर्देश दिए। एक व्यक्ति द्वारा विकलांगता प्रमाण पत्र बनवाने हेतु परिवाद प्रस्तुत किया जिस पर जिला कलक्टर ने त्वरित कार्यवाही करते हुए विकलांगता प्रमाण पत्र बनवाने हेतु निर्देश दिये। ग्रामीणों द्वारा बिजली समस्या की शिकायत पर अधिकारियों को निस्तारण के निर्देश दिए। जन सुनवाई में कुल 23 प्रकरण प्राप्त हुए। जन सुनवाई के दौरान उपखंड अधिकारी राधेश्याम मीणा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

जिला कलक्टर ने किया पौधारोपण

» जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी ने जनसुनवाई के दौरान पर पौधारोपण भी किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा आगामी 7 अगस्त को हरियाली तीज के अवसर पर राज्य भर में सघन वृक्षारोपण किया जा रहा है। जिले में भी निर्धारित लक्ष्य के अनुसार वृक्षारोपण किया जाएगा। सभी नागरिक इस सघन वृक्षारोपण अभियान में अपनी भूमिका निभाते हुए अधिक से अधिक वृक्षारोपण कर बड़े होने तक सार उनकी सार संभाल का संकल्प ले।

राजस्थान उत्तर भारत में अंगदान के क्षेत्र में नंबर वन : राजीव अरोड़ा

अंगदान जागरूकता ऑन व्हील्स रोड शो का सफल समापन

चमकता राजस्थान

जयपुर। एक दशक की समर्पित सेवा के जश्न और राष्ट्रीय अंगदान माह के उपलक्ष्य में, नवजीवन एमएफजेसीएफ ने 'अंगदान जागरूकता ऑन व्हील्स' रोड शो सफलतापूर्वक पूरा किया। 3 अगस्त 2024 को राष्ट्रीय अंग दान दिवस के साथ जुड़े इस कार्यक्रम ने पूरे जयपुर में सावधानीपूर्वक नियोजित मार्ग के माध्यम से अंग दान के महत्वपूर्ण संदेश पर प्रक-ाश डाला। रोड शो को शाम 4 बजे अमर जवान ज्योति से श्रीमती शुभ्रा सिंह, आईएएस, एसीएस

चिकित्सा और स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग, राजस्थान सरकार, श्री राजीव अरोड़ा, अध्यक्ष एमएफजेसीएफ, डॉक्टर रश्मि गुप्ता, अतिरिक्त निदेशक, चिकित्सा शिक्षा, भावना जगवानी, संयोजक एमएफजेसीएफ और टीम नवजीवन एमएफजेसीएफ की उपस्थिति में हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। ₹सेव अ लाइफ आफ्टर लाइफ₹ जैसे सशक्त संदेशों से सजी बस ने समुदाय के साथ जुड़ने और जागरूकता फैलाने के लिए कई महत्वपूर्ण पड़ाव डाले।
रोड शो रात 9 बजे वापस लौटा, जो प्रभावशाली बातचीत और अंग दान के बारे में बढ़ती जागरूकता से भरे एक सफल दिन के अंत का प्रतीक था।
इस कार्यक्रम में स्वयंसेवकों और आम जनता की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई, जिससे इस जीवन-रक्षक उद्देश्य के प्रति समुदाय का समर्पण मजबूत हुआ। जयपुर में प्रमुख स्थानों के माध्यम से बस की यात्रा ने एक दृश्य और शैक्षिक उपकरण के रूप में काम किया, जिससे लोगों तक अंग दान का संदेश सीधे पहुंचा।

सेवानिवृत्ति पर अध्यापक लवानियां ने स्कूल को सरस्वती की प्रतिमा व 5 फर्श किऐ भेंट

● स्कूल के सभी छात्राओं को कराया सहभोज

चमकता राजस्थान। नदबई (राजवीर सिंह) राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बहरामदा में वरिष्ठ अध्यापक यादव चंद्र लवानिया ने सेवानिवृत्ति पर 5 फर्श एक बड़ी तस्वीर मां सरस्वती की व सभी छात्राओं को सहभोज कराकर सभी छात्राओं को गिफ्ट भेंट की। वहीं सेवानिवृत्ति अध्यापक की बेटी डॉक्टर मोहिनी लवानिया ने भी छात्र-छात्राओं को गिफ्ट भेंट की। इस मौके पर प्रधानाचार्य मधुबाला दीक्षित ने सेवानिवृत्ति होने वाले अध्यापक को शुभकामनाएं देते हुए उनके अच्छे स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना की। इस मौके पर लवानिया के परिजन दुलीचंद लवानिया,जगदीश प्रसाद लवानिया,ओम प्रकाश शर्मा,अंजनीकुमार,कल्पना,सोनम ने उपस्थित रहकर कार्यक्रम में मार्गदर्शन एवं सहयोग किया। इस मौके पर मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी महेश शर्मा,सुरेश भातरा, हजारीलाल शर्मा,वेद प्रकाश पाठक सहित समस्त स्टाफ एवं छात्राएं व गांव के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

जिला कलेक्टर झुन्झनू व पुलिस अधीक्षक ने लोहार्गल मेला व्यवस्था का लिया जाएगा

सुमेर सिंह राव

उदयपुरवाटी। निकटवर्ती धार्मिक तीर्थ स्थल लोहार्गल धाम में आगामी लोहार्गल लखी मेल को लेकर झुंझुनू जिला कलक्टर चिन्मयी गोपाल व आईपीएस व जिला पुलिस अधीक्षक राजर्षि राज आईपीएस द्वारा लोहार्गल मेले के दृष्टिगत, आमजन की सुरक्षा और शांति बनाए रखने के लिए लोहार्गल पहुंचकर कानून व्यवस्था की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने मेले की सुरक्षा, ट्रैफिक प्रबंधन, और अन्य सुविधाओं के बारे में पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों से

विस्तृत जानकारी प्राप्त की।
इस दौरान उन्होंने मेले में की गई विभिन्न तैयारियों का निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि मेले में आने वाले सभी लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस-प्रशासन ने व्यापक इंतजाम किए हैं। मेले के दौरान पर्याप्त संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। इसमें महिला पुलिसकर्मियों की भी तैनाती की गई है। मेले स्थल आदि पर सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जा रही है। मेला स्थल व उसके आसपास लगातार पेट्रोलिंग की जा रही।
डीएम व पुलिस अधीक्षक ने मेले में आने वाले सभी नागरिकों से अपील की है कि वे मेले के दौरान पुलिस का सहयोग करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।
पुलिस व प्रशासन आमजन की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम चाहते हैं कि सभी लोग मेले का आनंद लें। कृपया नियमों का पालन करें और किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें।

पुष्कर सरोवर में दम तोड़ रही मछलियों को रोकने के लिए स्थाई समाधान करने का आग्रह

चमकता राजस्थान/रघुनंदन पारीक /श्रीनगर/अजमेर । पुष्कर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी की प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व शिक्षा राज्य मंत्री नसीम अख्तर इंसाफ ने जिला कलेक्टर अजमेर को पत्र लिखकर तीर्थ गुरु पुष्कर राज के पवित्र सरोवर में दम तोड़ रही मछलियों को रोकने के लिए स्थाई समाधान करने का आग्रह किया है ।
कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष इंसाफ ने पत्र में बताया कि बीते कई दिनों से पुष्कर के पवित्र सरोवर में दम तोड़ रही मछलियों के कारण पुष्कर सरोवर का पानी दूषित हो रहा है तथा पुष्कर सरोवर के पवित्र घाटों पर असहनीय दुर्गन्ध फैल रही हैं। सरोवर के आसपास बैठना भी दुर्भर हो गया है एवं यहां आने वाले हजारों श्रृद्धालुओं एवं तीर्थपुरोहितों की धार्मिक भावनाएं आहत हो रही है ।
कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष इंसाफ ने पत्र में लिखा कि पुष्कर सरोवर में मर रही मछलियों के कारण फैल रही दुर्गन्ध को रोकने का स्थायी समाधान किया जाए एवं सरोवर में मिल रहे दुषित पानी को रोका जाए, जिससे पुष्करवासियों एवं श्रृद्धालुओं को राहत मिल सके।

प्रेमचंद जयंती पर संपर्क साहित्य संस्थान का आयोजन

प्रेमचंद ने अपने साहित्य के माध्यम से समाज के दबे कुचले वंचित वर्ग की आवाज उठाईः आफरीदी

चमकता राजस्थान

जयपुर 1अगस्त । संपर्क साहित्य संस्थान के तत्वावधान में हिन्दी साहित्य के अमर साहित्यकार प्रेमचंद की 144 वी जयंती का इटरनल हॉस्पिटल सभागार में समारोह पूर्वक आयोजन किया गया । वरिष्ठ साहित्यकार एवं व्यंग्यकार फारूक आफरीदी की अध्यक्षता और सुप्रसिद्ध उपन्यासकार प्रबोध कुमार गोविल के मुख्य आतिथ्य में प्रेमचंद की मशहूर कहानियों की समीक्षा के साथ डॉ. नीलम कालरा के काव्य संग्रह 'शब्दों का आशिया'के लोकार्पण किया गया। समारोह के अध्यक्ष फारूक आफरीदी ने कहा कि प्रेमचंद ने अपने साहित्य के माध्यम से समाज के दबे कुचले वंचित वर्ग की आवाज उठाई । उन्होने कथा साहित्य के जरिये समाज एवं साहित्य को दिशा नई देने और

हमारे जीवन को परिष्कृत करने का काम किया । उनका साहित्य और विचार सदैव प्रासंगिक रहेगा । उन्होने विश्व साहित्य में हिन्दी साहित्य को प्रतिष्ठा दिलाई।
डॉ. प्रबोध गोविल ने बताया कि प्रेमचंद का जीवन बहुत संघर्षमय रहा और उन्होंने जो कुछ जीवन में देखा,अनुभव किया उसी को अपने साहित्य के माध्यम से समाज के समक्ष रखा। विशिष्ट अतिथितित्विक गौड़ ने प्रेमचंद के साहित्य की प्रशंसा करते हुए बताया कि बच्चों को इससे जोड़ा जाना चाहिए ताकि वे संवेदनशील बन सकें।
'कथा-समीक्षा के आईने में प्रेमचंद' के तहत डॉ. अंजू सक्सेना ने सज्जनता का दंड, सुनीता त्रिपाठी ने पंच परमेश्वर, हिमाद्री समर्थ ने बड़े घर की बेटी व डॉ. मंजू लता ने मंत्र के साथ ही पुष्पा माथुर ने बड़े भाई साहब, सुशीला शर्मा ने पूस की रात, सरोज चौहान ने दो बहने और शिल्पी पचौरी,ज्ञानवती सक्सेना ने अन्य कहनियों की समीक्षा की ।
प्रारम्भ में वरिष्ठ साहित्यकार प्रबोध गोविल विशिष्ट अतिथि साहित्यकार फारूक आफरीदी एवं कार्यक्रम अध्यक्ष ज्ञान विहार स्कूल के प्रधानाचार्य ऋत्विज गौड़ संस्थान अध्यक्ष अनिल लढ़ा महासचिव रेनू शब्दमुखर ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारम्भ किया।सरस्वती वंदना डॉ मंजुलता भट्ट ने की।
संपर्क साहित्य संस्थान के अध्यक्ष अनिल लढ़ा ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए संपर्क संस्थान के कार्यों का ब्यौरा दिया। इटर्नल हॉस्पिटल के डॉ. अखिल गुप्ता द्वारा स्वास्थ्य संबधी परिचर्चा में मधुमेह से जुड़ी अनेक भ्रांतियों को दूर किया गया। महासचिव रेनू शब्दमुखर ने संस्थान के साहित्यिक कार्यो की जानकारी दी ।संस्था की वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ आरती भदौरिया ने 'बूढ़ी काकी'कहानी का उदाहरण देते हुए वृद्ध विमर्श की ओर ध्यान आकर्षित किया। उपाध्यक्ष डॉ रेखा गुप्ता और उपाध्यक्ष डॉ कंचना सक्सेना ने भी प्रेमचंद के उपन्यास साहित्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रेमचंद ने हिंदी कथा साहित्य को विश्व मंच पर प्रतिष्ठित किया है। सीमा वालिया ने कार्यक्रम का संयोजन किया ।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान,
मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929